नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्री राधेश्याम	26725694	nilotpalchaturvedi@yahoo.com	अनूपशहर	
श्री शरद	9007629760		अनूपशहर	
श्री आलोक	9836408000		अनूपशहर	
श्री भुवनेश	9903300671		बटेश्वर	
श्री हरकुमार	22745485		बटेश्वर	
श्री गोपाल किशन	9331282718		बटेश्वर	
श्री वीरालाल	9903300669	ankitchaturvedi25@gmail.com	बटेश्वर	
श्री आयुष (रोचू)	24664030	ayush_chaturvedi@hoo.co.in	बटेश्वर	
श्री हेमंत	9681058764	jostikc.chaturvedi@gmail.com	बटेश्वर	
श्री भूदेव प्रसाद	26662091		बिजकौली	
श्री कमल कुमार	24459513		चंद्रपुर	
श्री चतुर्भुज दास	9831197675		चंद्रपुर	
श्री विनय	9330036141	rajivchaturvedi@rediffmail.com	चंद्रपुर	
ब्रिगे० संदीप	22236729		देहरादून	
श्री सतीश	24490539	scc@mmtclimited.com	इटावा	
श्री वसन्तकुमार	9163036689		फरौली	
श्री तीरथनाथ	9748590230		फरौली	
श्री गजेन्द्र	9831097509		फरौली	
श्रीमती आभा	9330816997		फरूखाबाद	
श्री अमित	9748000825	amit_chaturvedi2000@yahoo.com	फरूखाबाद	
श्रीमती बट्टोदेवी	9330977456		फतेहपुर	
श्री कैलाश चन्द्र	24661062			
श्री रामअवतार	9339059448			
श्री नरेन्द्रकुमार	9339853500			
श्री पुरूषोत्तम दास	9433210076			
श्री नरेशकुमार	9830756357			
श्री नरेशचन्द्र	26412614	vijayyogiji@yahoo.com		
श्रीमती यशोदा	40071196	rchaturvedi44@hotmail.com		
श्री वीरेन्द्रकुमार	23960205			
श्री राकेश	23968176	rakesh.chaturvedi@yahoo.co.in		
श्री अनिलकुमार	26726189	apurva.chaturvedi09@gmail.com		
श्री अनुज (नन्दु)	9831077500	anujmonu2007@yahoo.com		

नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्री मदनलाल	32589778	tarunchaturvedi@icrainfoserve.com		
श्री अशोककुमार	9831534565	chaturvedi.tutorial@gmail.com		
श्री अजीत कुमार	9339381522	yashonly4u@gmail.com		
श्रीमती बिमला	22742537			
श्रीमती बीना	9831446495			
श्रीमती उमा	9831898570			
श्री राजेश्वरनाथ	9830581401			
श्री प्रभाकर	24814663			
श्री मंतोष कुमार	22592476			
श्री अरूणकुमार	9331753863	achaturvedi1968@yahoo.com		
श्री राजेन्द्रनाथ-रज्जन	22742664			
श्री गंगेष	9831385888			
श्री पद्माकर	9830540304	pcholipurawala@yahoo.com		
श्री जसवन्त-श्रीनाथ	9831350051			
श्री उपेन्द्रनाथ	23599075			
श्री केशवकुमार	9903729158			
श्री मधुकर	22594090			
श्री चन्द्रकान्त	9903008079			
श्री रवीन्द्रनाथ	9830197340	khageshchaturvedi@rediffmail.com		
श्री त्रिलोकीनाथ	9831411176	raajatchaturvedi@spacapital.com		
श्री अशोककुमार	22410153			
श्रीमती अपर्णा	26373341			
श्री योगेन्द्रनाथ	9433548675	varunsaysicare@yahoo.co.in		
श्री रामकुमार	9903079975			
श्री अखिलेश	9007412017			
श्रीमती सरलादेवी	9903324353	chaturvedimadhurcal@gmail.com		
श्रीमती कश्मीरी	39281511	bharatclnt@rediffmail.com		
श्री धीरज	9830709208	dhiraj493@rediffmail.com		
श्री हरस्वरूप	7439188586	jatichaturvedi@gmail.com		
श्रीमती शीला	26721172			
श्री भरत कुमार	26724178	bharatholipuria@gmail.com		
श्रीमती रमा	26638616	avichalavi@hotmail.com		

नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्रीमती इरा	23354401			
श्री संजय (गुन्नू)	26724084	sanjay_chaturvedi2006@rediffmail.com		
श्री चन्द्रकान्त	9330423224	nitchaturvedi@gmail.com		
श्री मुकेश	9830020950			
श्री सुधीर चन्द्र	26723591	pankajchat05@rediffmail.com		
श्रीमती गुलाबो देवी	32513543			
श्रीमती सुमन	9434071123	schaturvedi72@gmail.com		
श्री देवेन्द्रनाथ	9163850128			
श्री देवेश	9339235895			
श्री बृजकिशोर	24994435	chaturvedibk@hotmail.com		जहांगीरपुर
श्री रामेश्वरदयाल	24007783	rdchaturvedi@hotmail.com		
श्री सतीष चन्द्र	24242222	chaturvedisc@yahoo.com		
श्री ईश्वरनाथ	22836671			
श्री गिरधरनाथ	22412838	giri1949@gmail.com		
श्री फतेहचन्द्र(टीटू)	26944527	chaturvedi2694@refiddmail.com		
श्री रमाकान्त	24192582	neerav.c@rediffmail.com		
श्री नरेन्द्र(दीपक)	9830334287			
श्री धीरेन्द्रनाथ	26434771	dhirenvandana@yahoo.co.in		
श्री संतोषकुमार	26723143			
श्री मदन	9330569540			
श्री अविनाश चौबे	24485978			करहल
श्री प्रद्युम्न चौबे	32910648			
श्री निर्मल(निरीष)	22356521	ashishchaturvedi_2003@yahoo.co.in		
श्री विजयकुमार	22598062			कछपुरा
श्रीमती कमलेश	22418182	alokc2@gmail.com		
श्री अशोक	26723932	ashokc.1954@yahoo.com		
श्री मुकेश कुमार	25302275	cs_mukes@yahoo.com		
श्री विजय शंकर	22682118			
श्री हरिशंकर	9830558662	chaturvedi_abhinav1@indiatimes.com		
श्री अंकुर	24986892	amnsi.ankur@gmail.com		
श्री भानुकुमार	26724074	anup2005@hotmail.com		
श्री देवेन्द्र (लल्ला)	25433046			

नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्री रघुवंश	26944900	rupesh1306@gmail.com		कमतरी
श्री प्रकाश चन्द्र	8013357601			
श्री अवधेष	32599991			
श्री दिलीप	8296085640			
श्री प्रेम शंकर	26654204			
श्री लोकेन्द्रनाथ	25557042	chaturvedi.lokendra@gmail.com		
श्री जयदीप	9038530931	jaydeep73@rediffmail.com		
श्री अजीत कुमार	9748736201	ajeetchatruvedi@rediffmail.com		कायमगंज
श्री नीलकमल	24986828	nk.chaturvedi@visasteel.com		
श्रीमती सुमन	24640046	anurag_c_2000@yahoo.com		मलयपुर
श्री रवि बल्लभ	26544661	rahul.chatruvedi24@yahoo.com		
श्री ब्रजबल्लभ	24461909	chatruvediab@hotmail.com		
श्री राकेशनाथ	22870412	rakeshnath58@gmail.com		मथुरा
श्री रंजन	32903505	captranjan2001@yahoo.com		मेरठ
श्री धीरज	9831032667	dhiraj@dbgroupcargo.com		
श्री प्रमोद(जिम्मी)	24238317	bhu_chat47@yahoo.com		
श्री नीरज	9332242569	puneetachaturvedi@yahoo.com		
श्री राजकुमार	9830613701			
श्री दिनेशचन्द्र	9830516320	rajeshmisra73@gmail.com		मैनपुरी
श्रीमती हेमा	26723016			
श्री अमल कुमार	9339635898	gladrags88@gmail.com		
श्री सुधीर कुमार	9331020050	sudhirneta@gmail.com		
श्री विमल	26381566			
श्री तेजबहादुर	22747685			
श्री प्रकाशनारायण	9051377176	prateekchaturvedi007@gmail.com		
श्री उपेन्द्र(छुन्नो)	9330027508			
श्री संजय				
श्री राजेश	24079826	rajeshc100@hotmail.com		
श्री हेमचन्द्र	9831092218			
श्री विजय कुमार	23218913			पिनाहट
श्री योगेन्द्र(जसवन्तु)	26653800	vikashalumuniumfabricators@yahoo.com		

नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्रीमती बीना	25741045		पुराकन्हैरा	
श्री अनिल कुमार	25314018			
श्री भुवनेश	25908108			
श्री पवनकुमार	9830291790	siddnantchaturvedi74@gmail.com		
श्री रजनी(डब्बू)	26544833	rajanikant66@gmail.com		
श्री मुनीन्द्र नाथ	24661409	nchaturvedi87@gmail.com		
श्री सूर्यकान्त(मोहन)	9830181248	suryachaturvedi@rediffmail.com		
श्री कृष्णकान्त	9331037072			
श्री मधुरकान्त	9874819981	get.to.abhinav@gmail.com		
श्रीमती मंजुला	24988103		सिकन्दरपुर	
श्री कृष्णकान्त	9831739595	kishnakantchaturvedi@yahoo.com		
श्री कैलाश नाथ	9433094059	akkuchaturvedi@yahoo.co.in		
श्री प्रवेश	9830120111		तालगांव	
श्री गोकरणनाथ	26722002	hitesh_chaturvedi@yahoo.com		
श्री रंजन	9339305956			
चि० गौतम	8820540088	chaturvedigautam@ymail.com		
श्री आनन्द	25006826		तरसोखर	
श्री प्रफुल कुमार	23508005	ci8005@yahoo.co.in		
श्री पूरन चन्द्र	23604799			
श्री विजय(लालो)	25726477	vkc@birlatea.com		
चि० आशीष	9330557010			
चि० सुनील	9331733961	sunil.chaturvedi@ymail.com		
श्री अशोक	23506378	chaturvedi.amit1@gmail.com		
श्री दिवाकर	23501980			
श्रीमती मालती	26728097			
श्री भरत कुमार	9163401565			
श्री वीरेन्द्र(पुत्तूलाल)	26725868	iamvkc47@gmail.com		
श्रीमती शान्ति	9038929594	parakh.chaturvedi491@gmail.com		
श्री दीपक	9836193340	deepak.chats@gmail.com		
श्री मिथिलेश	32021235			
श्री अखिलेश	9163971804			
श्री सुधीर कुमार	9339734959	chaturvedi_sudhir@ymail.com		

नाम	फोन नं०	ईमेल	ग्राम	पेज सं०
श्री ओंकार नाथ	9748008698			
श्रीमती रेखा	9748996202	richarich17@yahoo.co.in		
श्री ओमप्रकाश	9831150561			
श्री राजेश	9830094136	bhajanganga@yahoo.com		
चि० संजय	9433383311			
श्री अनिल	9231465063			
श्रीमती शोभा				
श्री अरूण	26451786			
श्री सत्यप्रकाश	9831120696			
श्री मुकेश	9339778229			
श्री अनुज	9830129030	anujkolkata@rediffmail.com		
श्री मुकुन्द कृष्ण	26686170	chaturvedimukundkrishna@gmail.com		
श्री कुमुद कुमार	26456122			
श्री करतार सिंह	23677243		फिरोजाबाद	

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					अनूपशहर
श्री राधेश्याम (सोश्रवश)मिश्र	76O+	स्व० लाड़लीप्रसाद	'विद्या अपार्टमेन्ट' ३६, नेताजी सुभाष	26725694	अवकाशप्राप्त
श्रीमती सरोज देवी	71O+	श्री राधेश्याम	रोड़, रिषड़ा,	9748054990	गृहणी
श्री नीलोत्पल	44O+	श्री राधेश्याम	हुगली-७१२२४८		मौसम विभाग
श्रीमती नूतन	41A+	श्री नीलोत्पल			गृहणी
चि० नमित	13A+	श्री नीलोत्पल			छात्र
कु० नुपुर	6O+	श्री नीलोत्पल			छात्रा
श्री शरद (सोश्रवश)मिश्र	53A-	स्व० जानकीप्रसाद	८९/३३५/३३६, बांगुड़ पार्क,बिंदल	9007629760	सेवा
श्रीमती नीलिमा	49O+	श्री शरद	हाउस,४०४, ३तल्ला	9231892199	गृहणी
चि० रवि	18A+	श्री शरद	रिषड़ा, ७१२२४८	7890342325	छात्र
चि० सुयष	14	श्री शरद		9163852325	छात्र
श्रीमती करूणा (सोश्रवश)मिश्र	55	स्व० सत्यदेव	फ्लैट नं०ए-७/६ मार्शल इंक्लेव का०	9432139724	गृहणी
श्री आलोक	42	स्व० सत्यदेव	हाउ० सो०, ई के टी	9836408000	सीए
श्रीमती सीमा	38	श्री आलोक	पी फेस२, इ एम	9330526500	गृहणी
चि० देवांश	3	श्री आलोक	बाईपास, कोलकाता-७		
					बटेश्वर
श्री भुवनेश (भारद्वाज/पाठक)	49	श्री विनोद	२४/२,'गंगा अपार्टमेन्ट' गुहा	9903300671 9038368231	सेवा
श्रीमती निशा	44	श्री भुवनेश	पार्क, लिलुआ,		गृहणी
चि० गौरव	18	श्री भुवनेश	हावड़ा		छात्र
कु० श्रुतिका	20	श्री भुवनेश			छात्रा
कु० रितु	15	श्री भुवनेश			छात्रा
श्री हरकुमार (भारद्वाज/पाठक)	85	स्व० पन्नालाल	५, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट,३ तल्ला,	22745485 9883151530	अवकाशप्राप्त
श्री आनन्दकुमार	52	श्री हरकुमार	कोलकाता-७		व्यवसाय
श्रीमती स्मिता	46	श्री आनन्दकुमार			गृहणी
कु० दिशा	23	श्री आनन्दकुमार			सेवा
चि० अभिषेक	18	श्री आनन्दकुमार			छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
श्री दिलीप	48	श्री हरकुमार			व्यवसाय
श्रीमती अंजली	42	श्री दिलीप			गृहणी
कु० आस्था	17	श्री दिलीप			छात्रा
चि० आदर्श	12	श्री दिलीप			छात्र
श्री गोपाल किशन (भारद्वाज/पाठक)	60B+	स्व० रामकिशन	४१/२६,एन० एस० रोड़, रिषड़ा	9331282718 9330401418	व्यवसाय
श्रीमती गिरजा	53O+	श्री गोपाल किशन	हुगली-७१२२४८		गृहणी
चि० प्रशान्त	27O+	श्री गोपाल किशन			सेवा इंजी
चि० उदित	24O+	श्री गोपाल किशन			सेवा सी ए
श्री वीरालाल (भारद्वाज/पाठक)	63	स्व० हरस्वरूप	बिल्डिंग नं०१०, शान्ति नगर,	9903300669 9903179499	सेवा
श्रीमती मोहिनी	57	श्री वीरालाल	फ्लैट नं० १०३,		गृहणी
चि० अनुज	26	श्री वीरालाल	२सी, एन एस		सेवा
चि० अंकित	24	श्री वीरालाल	रोड़, लिलुआ		सी ए
श्री आयुष (रोचू) (भारद्वाज/पाठक)	33B+	स्व० अजय कुमार	पी०५४५, लेक रोड़ एक्स्टेंशन, कलकता	24664030 32504030	व्यवसाय
श्रीमती प्राची	33B+	श्री आयुष (रोचू)	७०००२९	9830015978	गृहणी
चि० ईशान	06B+	श्री आयुष		9339464030	छात्र
श्री हेमंत (सौश्रवश/क्षिरौरा)	53O+	स्व० त्रिलोकीनाथ	४३, दक्षिणधारी रोड़, ऋषिअरविन्द कॉलानी, कोलकाता	9681058764	सेवा

बिजकौली

श्री भूदेव प्रसाद (दक्ष)	67	स्व० उजागरलाल	फ्लैट-४जी, २४-२५, डबसन रोड़,	26662091 8171832004	व्यवसाय
श्रीमती वीना	64	श्री भूदेव प्रसाद	हावड़ा ७१११०७	9903127874	गृहणी
श्री संदीप कुमार	43O+	श्री भूदेव प्रसाद			व्यवसाय
श्रीमती किरन	38A+	श्री संदीप कुमार			गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
चि० अमन	16A+	श्री संदीप कुमार			छात्र
कु० प्रिया	13A+	श्री संदीप कुमार			छात्रा
श्री राजीव	41	श्री भूदेव प्रसाद			सेवा
श्रीमती पूनम	34	श्री राजीव			गृहणी
चि० अनुज	7	श्री राजीव			छात्र
चि० आदित्य	4	श्री राजीव			छात्र
चि० अभय	2	श्री राजीव			
					चंद्रपुर
श्री कमल कुमार (सौश्रवस/मिश्र)		स्व० झाऊलाल	१५३, परनाश्रीपल्ली, बेहाला,	24459513 9339254846	सेवा
श्रीमती अंजना		श्री कमलकुमार	कोलकाता,		सेवा
कु० प्रियंका		श्री कमलकुमार	७०००६०,		छात्रा
श्री चतुर्भुज दास (सौश्रवश/पुरोहित)	48	श्री रवीन्द्रनाथ	मां किरन निवास बिल्डिंग नं०१०,	9831197675 9830014082	सेवा
श्रीमती क्षमा	47B+	श्री चतुर्भुजदास	शांन्ति नगर,	9836440064	गृहणी
चि० देवव्रत	20	श्री चतुर्भुजदास	फ्लैट ४०८,	9748423156	छात्र
कु० दीक्षा	16AB+	श्री चतुर्भुजदास	२सी, एन एस रोड़		छात्रा
चि० तुषार	13AB+	श्री चतुर्भुजदास	लिलुआ, हावडा		छात्र
श्री विनय (सौश्रवस/मिश्र)	60B+	स्व० अमरनाथ	८९/३९३/१, रामदास गडगडी	9330036141 9903398715	अवकाशप्राप्त
श्रीमती निशा	57B+	श्री विनय	लेन, बांगुर पार्क,		गृहणी
श्री राजीव	35B+	श्री विनय	रिषड़ा, हुगली		सेवा
श्रीमती पायल	28O+	श्री राजीव			गृहणी
कु० अनुष्का	2	श्री राजीव			
					देहरादून
ब्रिगे० संदीप		स्व० विजय कृष्ण	टर्फव्यू,	22236729	सेवा
श्रीमती नूतन	O+	ब्रिगे० संदीप	ए जे सी बोस	9051751311	गृहणी
चि० प्रज्ञकृष्ण	O+	ब्रिगे० संदीप	रोड़, कोलकाता	9674016640	छात्र
कु० अक्षी	O+	ब्रिगे० संदीप			छात्रा

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					इटावा
श्री सतीश (धौम्य/घरवारी)	57B+	स्व० केदारनाथ	९२ई, बी ब्लाक, आइडल टावर, ५७,	24490539	सेवा
श्रीमती संगीता	54O+	श्री सतीश	डायमंड हारवर रोड़, कोलकाता-२३		गृहणी
					फरौली
श्री वसन्तकुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	40	स्व० गुलाबचन्द्र	३०२, मिनी मार्केट, ३तल्ला,शान्तिनगर	9163036689	
श्रीमती संगीता	30	श्री बसन्तकुमार	लिलुआ, हावड़ा		गृहणी
चि० समर्थ	7	श्री बसन्तकुमार			छात्र
श्री तीरथनाथ (भारद्वाज/पाण्डे)	56	स्व० फूलचन्द्र	८, शिवकृष्णदा लेन, कोलकाता,	9748590230 9231925188	व्यवसाय
श्रीमती रजनी	52	श्री तीरथनाथ	७००००७	9433942877	गृहणी
श्री निखिल	28	श्री तीरथनाथ			सेवा
श्रीमती प्रिया	27	श्री निखिल			गृहणी
श्री गजेन्द्र (भारद्वाज/पाण्डे)	42A+	स्व० गुरूदत्त	१८/१९, डा० अवनीष दत्ता	9831097509 9831006283	सेवा
श्रीमती भारती	38B+	श्री गजेन्द्र	रोड़,सलकिया,		गृहणी
कु० सैवी	15B+	श्री गजेन्द्र	हावड़ा,७१११०६		छात्रा
चि० शोभित	10AB+	श्री गजेन्द्र			छात्र
					फरूखाबाद
श्रीमती आभा (सौश्रवश/मिश्र)	59	स्व० शरदचन्द्र	५/७,बुढ़ो शिवतल्ला, बांगुर कॉम्प्लेक्स,	9330816997	गृहणी
चि० गौरव	40	स्व० शरदचन्द्र	फ्लैट नं० एस ५१, न्यु अलीपुर, कोलकाता ७०००५३		सेवा
श्री अमित (धौम्य/भरतवार)	31B+	श्री आशुतोष	एम४, सुकल्यानी हाउसींग कॉमप्लेक्स,	9748000825	सेवा
श्रीमती नेहा	28B+	श्री अमित	५ए, निरोद बिहारी		गृहणी
चि० नमित	3B+	श्री अमित	रोड़, कोलकाता-६		
श्री सुमित	25B+	स्व० सत्यकुमार		9007602640	सेवा
श्रीमती ऋचा	25B+	श्री सुमित			सेवा

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
			फतेहपुर		
श्रीमती बट्टोदेवी (भारद्वाज/तिवारी)	77	स्व० प्रभात	४०/१, एन एस रोड़,१तल्ला,	9330977456	गृहणी
श्रीमती नमिता	42O+	स्व० चन्द्रकान्त	रिषड़ा, हुगली,		गृहणी
कु० शिवानी	16	स्व० चन्द्रकान्त	७१२२४८,		छात्रा
चि० शिवानी	14	स्व० चन्द्रकान्त			छात्रा
			गोला गोकरननाथ		
श्री कैलाश चन्द्र (सौश्रवश)	O+	स्व० कृष्णबिहारी	६८/१बी, पूर्णदास रोड़, कोलकाता,	24661062	
श्री अनुराग	O+	श्री कैलाशचन्द्र	७०००२९,		व्यवसाय
श्रीमती अंजली	AB+	श्री अनुराग			गृहणी
चि० रौनक		श्री अनुराग			छात्र
			गोविन्दपुरा		
श्री रामअवतार (सौश्रवश/मिश्र)	68	स्व० नन्दलाल	४७,बड़तल्ला २बाई लेन,	9339059448	अवकाशप्राप्त
श्रीमती अरूणा	52	श्री रामअवतार	हिन्दमोटर, हुगली,		गृहणी
श्री देवेशकुमार	29	श्री रामअवतार	७१२२३३		व्यवसाय
			हिन्डौन		
श्री नरेन्द्रकुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	62	स्व० जगदीशप्रसाद	१६७, एन०एस० रोड़, कमरा-२४,	9339853500	सेवारत
श्रीमती सुमन	55	श्री नरेन्द्रकुमार	राजाकटरा, कोलकाता, ७		गृहणी
श्री पुरूषोत्तम दास (सौश्रवश/मिश्र)	66	स्व० लालजीमल	२४०, रायबहादुर रोड़, कोलकाता,	9433210076	व्यवसाय
श्रीमती निर्मला	62	श्री पुरूषोत्तमदास	७०००५३		गृहणी
श्री गोपाल	35	श्री पुरूषोत्तमदास			
श्रीमती रंजना	32	श्री गोपाल			
चि० गोविन्द	32	श्री पुरूषोत्तमदास			व्यवसाय
श्री नरेशकुमार (वशिष्ट/जौनमाने)	62A+	श्री जगमोहनलाल	८९/३-एच,बांगुर पार्क, १लेन,	9830756357 9051871636	सेवारत
श्रीमती रेखा	58O+	श्री नरेशकुमार	रिषड़ा,७१२२४८		गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री नरेशचन्द्र (घरवारी/धौम्य)	83	स्व० खरगराम	'लक्ष्मी निकेतन', १० जी०टी० रोड़, साउथ, हावड़ा,	26412614 27137978	व्यवसाय
श्रीमती मालती	80	श्री नरेशचन्द्र			गृहणी
श्री विजय	58B-	श्री नरेशचन्द्र		9831059387	व्यवसाय
श्रीमती शशी	52B+	श्री विजय		9331059387	गृहणी
चि० प्रतीक	23	श्री विजय		9748542423	छात्र
चि० पराग	20	श्री विजय		9331159387	छात्र
श्री दिनकर	53B+	श्री नरेशचन्द्र		9331001816	व्यवसाय
श्रीमती अनिता	49B+	श्री दिनकर		9331050597	गृहणी
चि० पल्लव	26B+	श्री दिनकर		8105888933	सेवारत
चि० पलाश	19B+	श्री दिनकर			छात्र
कु० प्राची	21B+	श्री दिनकर		7439150336	छात्रा
श्री दीपक	53B+	श्री नरेशचन्द्र		9831087450	एडवोकेट
श्रीमती गीता	49O+	श्री दीपक		9831253670	गृहणी
चि० प्रणय	26O+	श्री दीपक		9717537377	सेवारत
कु० मेघा	20B-	श्री दीपक		9831260621	
श्री मदन	63B-	श्री नरेशचन्द्र		9435019581	सेवारत
श्रीमती सुनन्दा	60	श्री मदन			गृहणी
श्रीमती यशोदा (घरवारी/धोम्य)	92	स्व० पृथ्वीनाथ	१०४ई, ब्लाक एफ, नयू अलीपूर,	40071196 9831472594	गृहणी
श्री राकेश	68	स्व० पृथ्वीनाथ	कोलकाता ७०००२७		व्यवसाय
श्रीमती सुधा	60	श्री राकेश			गृहणी
श्री वीरेन्द्रकुमार (घरवारी/धौम्य)	58A+	स्व० हरिहरनाथ	'सत्यम', १५०, एस० एन० चटर्जी रोड़,	23960205 9007437900	अवकाशप्राप्त
श्रीमती मधु	55O+	श्री वीरेन्द्रकुमार	जेम्स लॉंग सरणी,		गृहणी
कु० वन्दना	29O+	श्री वीरेन्द्रकुमार	कोलकाता, ७०००३८		सेवारत
चि० प्रशांत	27O+	श्री वीरेन्द्रकुमार			सेवारत
श्री राकेश (घरवारी/धौम्य)	50A+	स्व० हरिहरनाथ	डायमंड इंक्लेव, २जी, १३३, डी एच	23968176 9830127390	सेवारत
श्रीमती अमिता	46A-	श्री राकेश	रोड़, कोलकाता-		गृहणी
चि० निशांत	20A-	श्री राकेश			छात्र-बीटेक

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री अनिलकुमार (घरवारी/धौम्य)	52A+	स्व० कामताप्रसाद	श्रीकुंज, अपार्टमेंट, ८९/३४५, बांगुड़	26726189 9732183650	सेवारत
श्रीमती मोहिनी	44A+	श्री अनिलकुमार	पार्क,रिषड़ा,	9830817665	गृहणी
चि० अपूर्वकुमार	24A+	श्री अनिलकुमार	७१२२४८	9051642936	छात्र-एमबीए
कु० अदिती	19A+	श्री अनिलकुमार		9038613757	छात्रा
श्री अनुज (नन्दु) (घरवारी/धौम्य)	44A+	स्व० कामताप्रसाद	'श्रीकुंज अपार्टमेंट' ८९/३४५, बांगुड़	9831077500	सेवारत
श्रीमती कल्पना	40A+	श्री अनुज	पार्क,रिषड़ा,	9903077500	गृहणी
चि० आदर्श	11A+	श्री अनुज	७१२२४८,		छात्र
चि० सजल	8A+	श्री अनुज			छात्र
श्री मदनलाल (भारद्वाज/पाण्डे)	72O+	स्व० हरिकिशोर	४९/६, रवीन्द्र सारणी, रिषड़ा, ७१२२४८	32589778	अवकाशप्राप्त
श्रीमती शान्तिदेवी	66A+	श्री मदनलाल			गृहणी
कु० बिमी	38	श्री मदनलाल			
श्री तरूण	32A+	श्री मदनलाल		9830129557	सेवा सीए
श्रीमती सोनाली	28O+	श्री तरूण		9330523485	गृहणी
चि० अपूर्व	3O-	श्री तरूण			
श्री अशोककुमार (घरवारी/धौम्य)	66	स्व० परमेश्वरीदास	ए०बी० १२/ए, देशबन्धु नगर,	9831534565	अवकाशप्राप्त
श्रीमती अरूणा	58O-	श्री अशोककुमार	बागुईहाटी,	9331405060	गृहणी
श्री दुष्यंत	34B-	श्री अशोककुमार	कोलकाता, ५९		शिक्षक
श्रीमती राखी	30A+	श्री दुष्यंत			गृहणी
चि० हर्षवर्द्धन	25O+	श्री अशोककुमार			छात्र
कु० मंजरी	21	श्री अशोककुमार			छात्रा
श्री अजीत कुमार (सौश्रवस/मिश्र)	55	स्व० महेन्द्रनाथ	ब्रह्मा अपार्टमेंट, १०१, १तल्ला,	9339381522 32539818	सेवा-बैंकिंग
श्रीमती अनुपम	48	श्री अजीतकुमार	४९/एल,डा० अवनी		गृहणी
चि० आशीष कुमार	25	श्री अजीतकुमार	दत्ता रोड़,हावड़ा-	9339157900	सेवारत
चि० यश	23	श्री अजीतकुमार	७१११११०६	9830085808	सेवारत

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्रीमती बिमला (सौश्रवस/मिश्र)	73	स्व० महेन्द्रनाथ	२१, कलाकार स्ट्रीट, कोलकाता, ७	22742537	गृहणी
श्री गोविन्द प्रसाद	42	स्व० महेन्द्रनाथ		9830243767	
श्रीमती मंजू	36	श्री गोविन्द			गृहणी
चि० शिवम्	14	श्री गोविन्द			छात्र
कु० शिवानी	9	श्री गोविन्द			छात्रा
चि० नमन	2	श्री गोविन्द			
श्रीमती बीना (सौश्रवस/मिश्र)	65	स्व० गिरजाशंकर	२०/२ए, महर्षि देवेन्द्र रोड़,	9831446495 9831886683	गृहणी
श्री मुकुल कान्त	41	स्व० गिरजाशंकर	कोलकाता		सेवारत
श्रीमती सोनाली	36	श्री मुकुल कान्त	७००००७,		गृहणी
चि० अमन	3	श्री मुकुल कान्त			
कु० बन्दना	34	स्व० गिरजाशंकर			
चि० प्रभाकर	31AB+	स्व० गिरजाशंकर			सेवारत
श्रीमती उमा (घरवारी/धौम्य)	75	स्व० भूपेन्द्रनाथ	५०, ढाका पट्टी, ३तल्ला,	9831898570 9007208770	गृहणी
श्री हेमन्त	38	स्व० भूपेन्द्रनाथ	कोलकाता		सेवारत
श्रीमती पूनम	34	श्री हेमन्त	७००००७		गृहणी
चि० मयंक	8	श्री हेमन्त			छात्र
कु० अंजली	13	श्री हेमन्त			छात्रा
श्री राजेश्वरनाथ (घरवारी/धौम्य)	59B+	स्व० डालचन्द्र	५०, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट,	9830581401	अवकाशप्राप्त
श्रीमती शारदा	54A+	श्री राजेश्वरनाथ	३तल्ला, कोलकाता-७		गृहणी
चि० उत्तम	29A+	श्री राजेश्वरनाथ			सेवारत
कु० चारू	24B+	श्री राजेश्वरनाथ			एम ए हिन्दी
श्री प्रभाकर (घरवारी/धौम्य)	48	स्व० डालचन्द्र	ए-१३३, सेन्ट्रल गभ० को० ग्राहम रोड़,	24814663 9231297977	सेवारत
श्रीमती रूमा	41	श्री प्रभाकर	टालीगंज, कोलकाता,		सेवारत
चि० भुवनेश	18	श्री प्रभाकर	७०००४०		छात्र
चि० अनुज	16	श्री प्रभाकर			छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री मंतोष कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	60	स्व० मानसिंह	८९, पथुरिया घाट स्ट्रीट, कोलकाता,	22592476	व्यवसाय
श्रीमती नीता	54	श्री मंतोष कुमार	७००००६		गृहणी
श्रीमती उर्मिला (सौश्रवश/मिश्र)	74	स्व० हेमशंकर	४६, शिव ठाकुर लेन,		गृहणी
श्री अरूणकुमार	53	स्व० हेमशंकर	कोलकाता - ७	9331753863	व्यवसाय
श्री अखिलेश कुमार	45	स्व० हेमशंकर		9051237001	व्यवसाय
श्रीमती बबिता	40	श्री अखिलेश कुमार			गृहणी
चि० देवेश	34	स्व० हेमशंकर			सेवारत
श्री राजेन्द्रनाथ-रज्जन (घरवारी/धौम्य)	78	स्व० घनश्यामदास	१७, सिकदर पाड़ा लेन,	22742664 9831007327	अवकाशप्राप्त
श्रीमती कुसुम	69	श्री राजेन्द्रनाथ	कोलकाता-७		गृहणी
श्री पीयूष	44A+	श्री राजेन्द्रनाथ		9038236018	वकालत
श्रीमती रश्मि	37O+	श्री पीयूष			गृहणी
कु० कोमल	12A+	श्री पीयूष			छात्रा
चि० विनायक	8A+	श्री पीयूष			छात्र
कु० सौभ्या	8A+	श्री पीयूष			छात्रा
श्री गंगेष (घरवारी/धौम्य)	36B+	श्री राजेन्द्रनाथ	२६६, दक्षिणधारी रोड़, सीमा अपार्टमेंट,	9831385888	सेवारत
श्रीमती बिंदु	35O+	श्री गंगेश	ब्लाक बी, फ्लैट ए१,		गृहणी
चि० गौरांग	5B+	श्री गंगेश	कोलकाता-४८		छात्र
श्री पद्माकर (घरवारी/धौम्य)	61	स्व० महेशचन्द्र	५, काली कृष्ण टैगोर स्ट्रीट	9830540304	व्यवसाय
श्रीमती प्रभा	55	श्री पद्माकर	कोलकाता - ७	9674773404	गृहणी
चि० प्रयांशू	29B+	श्री पद्माकर		9831738117	सेवारत
कु० प्रियम	25	श्री पद्माकर		9836891411	
श्री जसवन्त-श्रीनाथ (घरवारी/धौम्य)	75	स्व० रामस्वरूप	८/३, काशी घोष लेन, कोलकाता,	9831350051	अवकाशप्राप्त
श्रीमती जगदम्बा	65	श्री जसवन्त-श्रीनाथ	७००००६		गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री उपेन्द्रनाथ (भारद्वाज/पाण्डे)	75	स्व० मुन्नालाल	सी१/३ए,रोहिणी हाउसिंग, कॉम्पलेक्स,	23599075 9433343306	अवकाशप्राप्त
श्रीमती शकुनतला	68	श्री उपेन्द्रनाथ	२२५पी, सी०आई०टी०		गृहणी
श्री नीरज	49B+	श्री उपेन्द्रनाथ	स्कीम-७,	9903035865	सेवारत
श्रीमती रैनू	45O-	श्री नीरज	उल्टाडांगा,	9433151950	सेवारत
कु० मानसी	12O+	श्री नीरज	कोलकाता-७०००५४		छात्रा
कु० मोक्षा	6	श्री नीरज			छात्रा
श्री केशवकुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	56	स्व० पुरूषोत्तमदास	बी८, डेबी फ्लम साइट, बिरलापुर,	9903729158	सेवारत
चि० आनन्दकुमार	30	श्री केशवकुमार	साउथ २४ परगना	9836740617	सेवारत
चि० विवेककुमार	28	श्री केशवकुमार			सेवारत
श्री मधुकर (भारद्वाज/पाण्डे)	54	स्व० पुरूषोत्तमदास	८९, पथुरिया घाट स्ट्रीट, कोलकाता,	22594090 9830043792	व्यवसाय
श्रीमती इन्दु	48	श्री मधुकर	७००००६		गृहणी
चि० तपन	26	श्री मधुकर			सेवारत
श्री चन्द्रकान्त (घरवारी/धौम्य)	62A+	स्व० लायकचन्द्र	५४, विवेकानन्द रोड़, ३तल्ला,	9903008079 9830509161	अवकाशप्राप्त
श्रीमती उन्नती	55	श्री चन्द्रकान्त	कोलकाता-६		गृहणी
कु० नेहा	25A+	श्री चन्द्रकान्त			सेवा-बैंक
श्री ऋषभ	20A+	श्री चन्द्रकान्त			छात्र-ईंजी
श्री रवीन्द्रनाथ (घरवारी/धौम्य)	68	स्व० रामस्वरूप	जी०सी० ४३, नारायण तल्ला	9830197340 9830381167	अवकाशप्राप्त
श्रीमती मृदुला	60	श्री रवीन्द्रनाथ	रोड़, पश्चिम,		गृहणी
श्री जलज	38	श्री रवीन्द्रनाथ	बागुईहाटि,		व्यवसाय
श्रीमती शीतल	31	श्री जलज	कोलकाता - ५९		गृहणी
चि० कनिष्क	7	श्री जलज			छात्र
श्री खगेश	32AB+	श्री रवीन्द्रनाथ			सेवारत
श्रीमती शिल्पी	27	श्री खगेश			गृहणी
चि० ध्रुव	2	श्री खगेश			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री त्रिलोकीनाथ (घरवारी/धौम्य)	68	स्व० ताराचन्द्र	१३, ए०पी०के० टैगोर स्ट्रीट,	9831411176	अवकाशप्राप्त
श्रीमती कनक	58	श्री त्रिलोकीनाथ	कोलकाता - ६		अवकाशप्राप्त
श्री रजत	31	श्री त्रिलोकीनाथ		9831563633	सेवारत
श्रीमती अनिता	27	श्री रजत			गृहणी
कु० भव्या	3	श्री रजत			छात्रा
चि० शलभ	19	श्री त्रिलोकीनाथ		9330707296	व्यवसाय
श्री नगेन्द्रनाथ	58	स्व० ताराचन्द्र		9330071875	अवकाशप्राप्त
श्रीमती रेखा	50	श्री नगेन्द्रनाथ			गृहणी
चि० मयंक	26	श्री नगेन्द्रनाथ		9163390453	सेवारत
चि० प्रियंक	24	श्री नगेन्द्रनाथ		9339561675	सेवा-ईंजी
श्री मुकेश	52	स्व० ताराचन्द्र		9883490433	व्यवसाय
श्रीमती साधना	48	श्री मुकेश		9831939176	गृहणी
चि० उमंग	14	श्री मुकेश			छात्र
चि० उत्सव	8	श्री मुकेश			छात्र
श्री अशोककुमार (घरवारी/धौम्य)	63	स्व० शारदाचरण	५४, विवेकानन्द रोड़, कोलकाता, ६	22410153 9830484818	व्यवसाय
श्रीमती इला	57	श्री अशोककुमार		9830204818	शिक्षिका
कु० देविका		श्री अशोककुमार			
श्रीमती अपर्णा (घरवारी/धौम्य)	40	स्व० अजयकुमार	४९३/सी/ए, ३०३डी, विवेक विहार,	26373341 9830599159	सेवारत
कु० अनीषा	14	स्व० अजयकुमार	फेस १		छात्रा
कु० आयुषी	12	स्व० अजयकुमार	जी० टी०रोड़,हावड़ा		छात्रा
श्री योगेन्द्रनाथ (घरवारी/धौम्य)	O+	स्व० विश्वनाथ	२३ए, इन्द्रा विश्वाश रोड़,	9433548675	
श्री मधुकर	55B+	स्व० जगन्नाथ	कोलकाता,	9748772290	सेवारत
श्रीमती रेखा	50	श्री मधुकर	७०००३७	9051605324	गृहणी
चि० वरूण	22	श्री मधुकर		9748989600	छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री रामकुमार (घरवारी/धौम्य)	52	स्व० तोताराम	१५२, बी०के०पाल एवेन्यू, कोलकाता,	9903079975	सेवारत
श्रीमती अमिता	48	श्री रामकुमार	७००००५		गृहणी
चि० अभिषेक	26	श्री रामकुमार			सेवारत
चि० सिद्धार्थ	21	श्री रामकुमार			
श्री अखिलेश (घरवारी/धौम्य)	53	स्व० भूपेन्द्रनाथ	५३५, रवीन्द्र सारणी,	9007412017 9007043502	सेवा
श्रीमती सुधा	50	श्री अखिलेश	बागबाजार,		गृहणी
कु० नुपूर	20	श्री अखिलेश	कोलकाता,७००००३		छात्रा
कु० निकिता	18	श्री अखिलेश			छात्रा
श्रीमती सरलादेवी (घरवारी/धौम्य)	84	स्व० महेन्द्रनाथ	१८३, राजा दिनेन्द्र स्ट्रीट, कोलकाता,	9903324353	गृहणी
श्री मधुर	58	स्व० महेन्द्रनाथ	७००००४		व्यवसाय
श्रीमती निशा	52	श्री मधुर			गृहणी
चि० रोहित	22	श्री मधुर			सेवाआई टी
कु० सौम्या	19	श्री मधुर			छात्रा सीए
श्रीमती कश्मीरी (घरवारी/धौम्य)	66O+	स्व० गिरिराज	'विवेक विहार'फेस १, फ्लैट-९०२डी,	39281511	अवकाशप्राप्त
श्री भरत	40B+	स्व० गिरिराज	४९३/सी/ए,	9836000258	सेवारत
श्रीमती मनीषा	35O+	श्री भरत	जी०टी०रोड़,	9432364994	गृहणी
कु० नेहा	14O+	श्री भरत	शिवपुर, हावड़ा,		छात्रा
चि० आकाश	11O+	श्री भरत			छात्र
श्री धीरज (घरवारी/धौम्य)	39O+	स्व० गिरिराज		9830709208 9477306377	सेवा बैंक
श्रीमती रीतू	34O+	श्री धीरज		9734931601	गृहणी
चि० रजत	5O+	श्री धीरज			छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री महाबीर (घरवारी/धौम्य)	59	स्व० हरस्वरूप	ए ८/१, हिन्दमोटर कॉलोनी, हिन्दमोटर,	7439188586	अवकाशप्राप्त
श्री शैलेन्द्रकुमार	51B+	स्व० हरस्वरूप		9330938035	सेवारत
श्रीमती संध्या	45AB+	श्री शैलेन्द्रकुमार		9331512813	गृहणी
चि० प्रांसू	22A+	श्री शैलेन्द्रकुमार		9903818714	छात्र
कु० जती	20AB+	श्री शैलेन्द्रकुमार		8961199192	छात्रा
सुशीला	56	(पुत्री) स्व० हरस्वरूप		9339221570	गृहणी
श्रीमती शीला (घरवारी/धौम्य)	85B+	स्व० गोपेश्वरनाथ	'गोपेश्वर-निवास', ३५भी०, नेताजी	26721172 9830498715	गृहणी
श्री राकेश	55B+	स्व० गोपेश्वरनाथ	सुभाष रोड़, रिषड़ा,		सेवा-बैंक
श्रीमती मंजु	54A+	श्री राकेश	हुगली, ७१२२४८	9836775505	सेवा-बैंक
कु० प्रियंका	23B+	श्री राकेश		9836926862	छात्रा-सी एस
कु० प्रिया	20O+	श्री राकेश			छात्रा
चि० राहुल	15B+	श्री राकेश			छात्र
श्री भरत कुमार (घरवारी/धौम्य)	46B+	स्व० गोपेश्वरनाथ	'कृति अपार्टमेन्ट' ८९/३५१, बांगुर	26724178 9830631464	सेवा-बैंक
श्रीमती अंजू	40A+	श्री भरतकुमार	पार्क, रिषड़ा,		गृहणी
चि० आकाश	15O+	श्री भरतकुमार	हुगली,७१२२४८	9874014230	छात्र
श्रीमती रमा (घरवारी/धौम्य)	70	स्व० शम्भूनाथ	शम्भु निवास, २१, शारदा पल्ली,	26638616 9836294208	गृहणी
श्री अजीतकुमार	38	स्व० शम्भूनाथ	माखला, हुगली,		सेवारत
श्रीमती निमिषा	35	श्री अजीतकुमार	७१२२४५		गृहणी
चि० अविचल	13	श्री अजीतकुमार			छात्र
चि० आर्यन	8	श्री अजितकुमार			छात्र
श्रीमती इरा (घरवारी/धौम्य)		स्व० नवीनचन्द्र	एफ० ८ क्लस्टर ९, पुर्वांचल,	23354401 9830747365	गृहणी
श्रीमती जया	38O+	(पुत्री)स्व० नवीनचन्द्र	साल्टलेक,		सेवारत
कु० मोक्षा	11O+	श्रीमती जया	कोलकाता ७०००९७		छात्रा

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्री संजय (गुन्नू) (भारद्वाज/पाण्डे)	42A+	स्व० महेशचनद्र	'कुंज वाटिका' ८९/८१,बांगुर	26724084 09778365458	सेवारत
श्रीमती अर्चना	40B+	श्री संजय	पार्क, १७वीं	9331901713	गृहणी
चि० अंकित	18AB+	श्री संजय	लेन, रिषड़ा,		छात्र
कु० आकृति	12B+	श्री संजय	हुगली, ७१२२४८		छात्रा
श्रीमती प्रभा (भारद्वाज/पाण्डे)	76B+	स्व० गिरीशचन्द्र	४१/७/१, एन०एस० रोड़, रिषड़ा,	65684757	गृहणी
श्री चन्द्रकान्त	48	स्व० गिरीशचन्द्र	हुगली, ७१२२४८	9330423224	व्यवसाय
श्रीमती किरण	44A+	श्री चन्द्रकान्त		9331868223	गृहणी
चि० नितिन	22A+	श्री चन्द्रकान्त		9007069128	छात्र-सी एस
चि० प्रथम	9	श्री चन्द्रकान्त			छात्र
श्री मुकेश (भारद्वाज/पाण्डे)	43B+	स्व० गिरीशचन्द्र	७/१, चेतला रोड़, कोलकाता-२७	9830020950 9830634034	व्यवसाय
श्रीमती इला	37O+	श्री मुकेश			गृहणी
कु० श्रेया	12B-	श्री मुकेश			छात्रा
चि० दिव्यांश	10B-	श्री मुकेश			छात्र
श्रीमती कान्ती	77	स्व० देवेन्द्रनाथ			गृहणी
श्री सुधीर चन्द्र (भारद्वाज/पाण्डे)	64O+	स्व० परमानन्द	८९/२५४/१, बांगुर पार्क,	26723591	अवकाशप्राप्त
श्रीमती सुचेता	56O+	श्री सुधीरचन्द्र	रिषड़ा, हुगली,	9038777300	गृहणी
श्री पंकज	35O+	श्री सुधीरचन्द्र	७१२२४८	9830338898	सेवारत
श्रीमती नेहा	29	श्री पंकज		9674307314	गृहणी
चि० अयान	1	श्री पंकज			
चि० रोहित	27O+	श्री सुधीरचन्द्र		9836626525	सेवारत
श्रीमती गुलाबो देवी (घरवारी/धौम्य)	81	स्व० अगनलाल	१३४/ई/३१९, डा० अबानी दत्ता रोड़, सुखी संसार, हावड़ा-७१११०६	32513543	गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					होलीपुरा
श्रीमती सुमन (भारद्वाज/पाण्डे)	69	स्व० ए० के०	ई५०३, संचार मिनार, ४न्यु रोड़,	9434071123	गृहणी
श्री सौरभ	39A+	स्व० ए० के०	अलीपुर,		सेवा-ईंजी
श्रीमती सौम्या	38B-	श्री सौरभ	कोलकाता-२७		गृहणी
कु० खुशी	11AB+	श्री सौरभ			छात्रा
चि० हर्ष	6	श्री सौरभ			छात्र
श्री देवेन्द्रनाथ (घरवारी/धौम्य)	65	स्व० लक्ष्मीनारायण	'पार्कव्यू अपार्टमेंट' ८९/२८१/२८२,	9163850128 09760722430	अवकाशप्राप्त
श्रीमती कुसुमा	61	श्री देवेन्द्रनाथ	बांगुर पार्क, रिषड़ा,		गृहणी
श्री गौरव	28A+	श्री देवेन्द्रनाथ	हुगली, ७१२२४८		
श्रीमती भावना	24	श्री गौरव			गृहणी
चि० गमन	5	श्री गौरव			छात्र
श्री देवेश (घरवारी/धौम्य)	40A+	स्व० भजनलाल	४९/११, एस०सी० आउन रोड़, बांगुर	9339235895 9748023243	सेवारत
श्रीमती बंदना	37O+	श्री देवेश	पार्क, रिषड़ा,		गृहणी
चि० हर्ष	13	श्री देवेश	हुगली, ७१२२४८		छात्र
चि० उमंग	7	श्री देवेश			छात्र
					जहांगीरपुर
श्री बृजकिशोर (वशिष्ट/जौनमाने)	76B+	स्व० चम्पाराम	८बी, आईडेंटिटी बिल्डिंग, ३८,	24994435 9830650531	व्यवसाय
श्रीमती शकुन्तला	72O+	श्री बृजकिशोर	गरियाहाट रोड़,	9836300531	गृहणी
श्री अतुल	48O+	श्री बृजकिशोर	कोलकाता-३१	9830059301	व्यवसाय
श्रीमती अनुजा	45A+	श्री अतुल		9879164696	गृहणी
कु० दिव्या	19A-	श्री अतुल		9051085923	छात्रा
कु० वृन्दा	16A-	श्री अतुल		9051671319	छात्रा
श्री रामेश्वरदयाल (वशिष्ट/जौनमाने)	70A+	स्व० चम्पाराम	प्लाट१३, ३२/५, साहापुर कॉलानी,	24007783 9339470213	अवकाशप्राप्त
श्रीमती आभा	66A+	श्री रामेश्वर दयाल	न्यू अलीपुर,	9874059289	गृहणी
कु० नीरा	A+	श्री रामेश्वरदयाल	कोलकाता-५३	9830740669	सेवारत

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					जहांगीरपुर
श्री सतीष चन्द्र (वशिष्ट/जौनमाने)	65A+	स्व० चम्पाराम	१/डी०१२, आशा अपार्टमेंट,	24242222 9433021144	सी ए
श्रीमती वीना	61A+	श्री सतीष चन्द्र	९३,देशप्रानशशमल	24278678	गृहणी
श्री देवेश	39	श्री सतीश चन्द्र	रोड़,	9433042298	सेवारत
श्रीमती तोषी	34	श्री देवेश	कोलकाता-३३		गृहणी
चि० यश	8	श्री देवेश			छात्र
कु० इषिता	3	श्री देवेश			
कु० रूचि		श्री सतीश चन्द्र			सेवारत
श्री ईश्वरनाथ (वशिष्ट/जौनमाने)	70A+	स्व० ओमकारनाथ	फ्लैट-१सी०, २, नजरअली लेन,	22836671 9331045889	अवकाशप्राप्त
श्रीमती इन्दू	64A+	श्री ईश्वनाथ	कोलकाता, ७०००१९		गृहणी
श्री गिरधरनाथ (वशिष्ट/जौनमाने)	60A+	स्व० ओमकारनाथ	५७ए, विवेकानन्द रोड़, कोलकाता,	22412838 9831091458	सेवारत
श्रीमती संगीता	55O+	श्री गिरधरनाथ		9331911753	गृहणी
कु० चारू	29O+	श्री गिरधरनाथ			सेवारत
चि० राधव	26A+	श्री गिरधरनाथ			सेवारत
श्री फतेहचन्द्र(टीटू) (वशिष्ट/जौनमाने)	42	श्री मथुराप्रसाद	'नीलकंठ अपार्टमेन्ट' ८९/३०३, बांगुर	7439166208	सेवारत
श्रीमती बिन्दु	40	श्री फतेहचन्द्र	पार्क,फ्लैट-१०१,	9339165103	गृहणी
चि० गर्वित	8	श्री फतेहचन्द्र	रिषड़ा ७१२२४८		छात्र
चि० तनमय	4	श्री फतेहचन्द्र			छात्र
श्री रमाकान्त (वशिष्ट/जौनमाने)	70	स्व० कृष्णकान्त	१४/१, हाजरा रोड़, २१ए, महाराष्ट्र	24192582 9831126961	अवकाशप्राप्त
श्रीमती शीला	68	श्री रमाकान्त	निवास के पास,	9830026961	गृहणी
श्री नीरव	43B+	श्री रमाकान्त	कोलकाता-२६		सेवारत
श्रीमती मयुरी	42	श्री नीरव			सेवारत
कु० ऋचा	30AB+	श्री रमाकान्त			सेवारत

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					जहांगीरपुर
श्रीमती कमला (वशिष्ट/जौनमाने)	75	स्व० उपेन्द्रनाथ	ए४/४बी,हिन्दमोटर कॉलानी, हुगली,	9830334287	गृहणी
श्री नरेन्द्र(दीपक)	53	स्व० उपेन्द्रनाथ	७१२२३३		सेवारत
श्रीमती रेखा	48	श्री नरेन्द्र(दीपक)			गृहणी
चि० आलोककुमार	25	श्री नरेन्द्र(दीपक)		9831140213	सी ए
चि० वरूणकुमार	23	श्री नरेन्द्र(दीपक)			सेवारत
श्री धीरेन्द्रनाथ (वशिष्ट/जौनमाने)	50A+	स्व० उपेन्द्रनाथ	१७७/९, बेलीलियस रोड़, कदमतला,	26434771 9830980725	सेवारत
श्रीमती वन्दना	45B+	श्री धीरेन्द्रनाथ	हावड़ा-७१११०१	9830994007	गृहणी
चि० पीयूष	20B+	श्री धीरेन्द्रनाथ			छात्र
कु० सुरभी	16A+	श्री धीरेन्द्रनाथ			छात्रा
श्री संतोषकुमार (वशिष्ट/जौनमाने)	48	स्व० महेन्द्रनाथ	३६, नेताजी सुभाष रोड़, रिषड़ा,	26723143 9038522490	व्यवसाय
श्रीमती रागिनी	40	श्री संतोषकुमार	७१२२४८	9331526066	गृहणी
श्री पवन	32	स्व० महेन्द्रनाथ		9903459811	व्यवसाय
श्रीमती मितू	27	श्री पवन		9748234748	गृहणी
चि० जितेन्द्र	30AB+	स्व० महेन्द्रनाथ		9330182386	व्यवसाय
श्री मदन (वशिष्ट/जौनमाने)	43A+	स्व० हरस्वरूप	'बिन्दल हाउस' ८९/३३५-३३८,	9330569540 8820832057	सेवारत
श्रीमती लीना	35A+	श्री मदन	बांगुर पार्क, ९वीं लेन		गृहणी
कु० प्रिया	15O+	श्री मदन	फ्लैट३०५, रिषड़ा,		छात्रा
चि० शुभम्	12A+	श्री मदन	हुगली-७१२२४८		छात्र
					करहल
श्री अविनाश चौबे (दक्ष)	83O+	स्व० देवीशंकर	१२जी०ब्लॉक बी० आईडियाल	24485978 9830451264	अवकाशप्राप्त
श्रीमती सुमन चौबे	72O+	श्री अविनाशचन्द्र	टावरस, ५७,		गृहणी
श्री संजय चौबे	49O+	श्री अविनाशचन्द्र	डायमड हारवर		
श्रीमती सुलोचना	47O+	श्री संजय	रोड़, कोलकाता,		
चि० अरिजित	09O+	श्री संजय	७०००२३		
श्रीमती सारिका	O+	(पुत्री) अविनाशचन्द्र			
चि० अभिषेक	05O+	सारिका			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					करहल
श्री प्रद्युम्न चौबे (दक्ष)	71B+	स्व० देवीशंकर	पी-२८, सी०आई० टी०रोड़,स्कीम	32910648 9830027628	व्यवसाय
श्रीमती शशी चौबे	67	श्री प्रद्युम्न	नं०१०एम०,	9831342687	गृहणी
श्री मनीष चौबे	41O+	श्री प्रद्युम्न	बिलियाघाटा,	9830044143	व्यवसाय
श्रीमती राखी चौबे	40B+	श्री मनीष	कोलकाता-१०	9830844143	सेवारत
कु० बेदिका	14	श्री मनीष			छात्रा
कु० अदिति	12	श्री मनीष			छात्रा
श्री निर्मल(निरीष) (धौम्य/श्रोत्रिय)	62O+	स्व० विद्याधर	३०३, सूर्यकिरण अर्पाटमेंट,डी ब्लाक,	22356521 9883112964	व्यवसाय
श्रीमती अरूणा	56	श्री निर्मलकुमार	३तल्ला, नारायणतल्ला		गृहणी
श्री मनीष	34	श्री नर्मलकुमार	पश्चिम,	9836891439	व्यवसाय
श्रीमती अर्चना	30	श्री मनीष	बागुईहाटी,		गृहणी
श्री आशीष	32	श्री निर्मलकुमार	कोलकाता	9831995429	सेवारत
श्रीमती अनुजा	30	श्री आशीष			गृहणी
					कछपुरा
श्री विजयकुमार (वशिष्ट/जौनमाने)		स्व० परमेश्वरदास	१५बी, कलाकार स्ट्रीट,कोलकाता,	22598062 22598793	वकालत
श्री जितेन्द्रकुमार		स्व० परमेश्वरदास	७००००७		व्यवसाय
श्रीमती रेखा		श्री जितेन्द्रकुमार			
कु० शिप्रा		श्री जितेन्द्रकुमार			
कु० शिवानी		श्री जितेन्द्रकुमार			
श्रीमती कमलेश (वशिष्ट/जौनमाने)	67	स्व० विनोदकुमार	५२/१, कालेज स्ट्रीट,	22418182 22196682	गृहणी
श्री आलोक	44	स्व० विनोदकुमार	चतुर्वेदी भवन	9830269350	सेवारत
श्रीमती वत्सला	42	श्री आलोक	कोलकाता-७३		गृहणी
कु० अलीशा	15	श्री आलोक			छात्रा
चि० रोहन	13	श्री आलोक			छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					कछपुरा
श्री अशोक (धौम्य/घरवारी)	O-	स्व० मुन्नालाल	२२७, बांगुर पार्क, रिषड़ा, ७१२२४८	26723932 9331812685	अवकाशप्राप्त
श्रीमती ऊषा	A+	श्री अशोक	शांतिवन खोआई,	9339345121	गृहणी
श्री अंकुर	A+	श्री अशोक	बी३०२,७,उमाकान्त	25465709	सेवारत
श्रीमती गीतांजली		श्री अंकुर	सेन लेन,		सेवारत
चि० अंजुल	A+	श्री अशोक	कोलकता-३०	9330871464	व्यवसाय
श्री मुकेश कुमार (धौम्य/घरवारी)	47O-	स्व० मुन्नालाल	१६९, अरविन्द सरणी, खन्ना सिनेमा	25302275 9830276262	सी एस
श्रीमती निरूपमा	42O+	श्री मुकेशकुमार	के पीछे,	9330980827	गृहणी
चि० तेजस	12O+	श्री मुकेशकुमार	कोलकाता, -६	9874017375	छात्र
कु० अतिका	10O+	श्री मुकेशकुमार		8981200740	छात्रा
श्री विजय शंकर (धौम्य/घरवारी)	72	स्व० झाऊलाल	३१बी० आडीबांसतल्ला लेन, बड़ाबजार	22682118 9330877642	कंस्लटेंसी
श्रीमती सुमन	67	श्री विजयशंकर	कोलकाता, ७		गृहणी
श्री हरिशंकर (धौम्य/घरवारी)	55B-	स्व० झाऊलाल	८९/२८४, बांगड़ पार्क,	9830558662	कंस्लटेंसी
चि० अभिनव	27B-	श्री हरिशंकर	'त्रिमुर्ति अपार्टमेंट',	9051045268	सेवारत
चि० अनुज	25B+	श्री हरिशंकर	रिषड़ा ७१२२४८	9432309547	छात्र-एमबीए
श्री अतुल	41O+	श्री विजयशंकर		9051678977	कंस्लटेंसी
श्रीमती मोनिका	35O+	श्री अतुल		8100176930	गृहणी
कु० सुहानी	8	श्री अतुल			छात्रा
श्री वेदान्त	3	श्री अतुल			छात्र
श्रीमती मीना (धौम्य/घरवारी)	62	स्व० कर्नल हेमप्रकाश	३०१ए, गंगेज रेसीडेन्सी,३६	24986892 9433093493	गृहणी
श्री अंकुर	36O+	स्व० कर्नल हेमप्रकाश	टालीगंज	9836373300	सेवारत
श्रीमती मानसी	35AB+	श्री अंकुर	सर्कुलर रोड़,		गृहणी
कु० ऐशानी	6A+	श्री अंकुर	कोलकाता -५३		छात्रा
कु० कश्वी	2B+	श्री अंकुर			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					कछपुरा
श्री भानुकुमार (धौम्य/घरवारी)	53B+	श्री विजयशंकर	'नीलकंठ अपार्टमेंट', फ्लैट-४०१,	26724074 8100219361	सेवारतबैंक
श्रीमती अर्चना	47O+	श्री भानुकुमार	८९/३०३,		गृहणी
कु० प्रियंका	26O+	श्री भानुकुमार	बांगड़ पार्क,	9836989923	छात्रा
कु० स्वेता	21O+	श्री भानुकुमार	रिषड़ा ७१२२४८		छात्रा
कु० शुभांगी	20O+	श्री भानुकुमार			छात्राबीसीए
चि० शुभम	15O+	श्री भानुकुमार			छात्र
श्री अनुप	39O+	श्री विजयशंकर		9331056076	व्यवसाय
चि० प्रखर	4	श्री अनुप			छात्र
कु० श्रेया	1	श्री अनुप			
श्री देवेन्द्र (लल्ला) (धौम्य/घरवारी)	72B+	स्व० द्वारिकाप्रसाद	१९३, राजा दिनेन्द्र स्ट्रीट, श्याम बजार	25433046	अवकाशप्राप्त
श्री राजेश	43B+	श्री देवेन्द्र	कोलकाता -४	9883512307	सेवारत
श्रीमती चित्रा	40	श्री राजेश			गृहणी
चि० सोभित	16	श्री राजेश		8013489034	छात्र
कु० तान्या	16	श्री राजेश			छात्रा
श्री तरूण	38	श्री देवेन्द्र		9903488505	सेवारत
श्रीमती ऋतु	35	श्री तरूण			गृहणी
					कमतरी
श्री रघुवंश (घरवारी /धौम्य)	64AB+	स्व० परमानन्द	रेन्बो कैसल,६७, शिवतल्ला स्ट्रीट,	26944900 9831826608	अवकाशप्राप्त
श्रीमती शोभा	58B+	श्री रघुवंश	भद्रकाली, हुगली,		गृहणी
चि० रूपेश	28AB+	श्री रघुवंश	७१२२३२	9674144313	सेवा-ईंजी
श्री प्रकाश चन्द्र (धौम्य/घरवारी)	69	स्व० बृजकिशोर	२८,बी०बी०स्ट्रीट, भद्रकाली, हुगली	8013357601	अवकाशप्राप्त
श्रीमती माया	57	श्री प्रकाशचन्द्र		9038860192	गृहणी
चि० अभिषेक	25	श्री प्रकाशचन्द्र		9681596486	सेवारत

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					कमतरी
श्री अवधेष (धौम्य/घरवारी)		स्व० कालिका प्रसाद	१४, पद्दोपुकुर ईस्ट लेन,खिदिरपुर,	32599991	
श्रीमती करूणा		श्री अवधेश	कोलकाता		
श्री दिलीप (पाठक/भारद्वाज)	61	स्व० जगदीशप्रसाद	३७, नन्दो मल्लिक लेन,कोलकाता	8296085640	व्यवसाय
श्रीमती अंजना	48	श्री दिलीपकुमार	७००००६		गृहणी
चि० सिद्धार्थ	24	श्री दिलीपकुमार		8296083110	सेवारत
चि० राजेन्द्र	48	स्व० जगदीशप्रसाद		9231477071	सेवारत
श्री राघवेन्द्र	42	स्व० जगदीशप्रसाद			व्यवसाय
श्रीमती नेहा	40	श्री राघवेन्द्र			गृहणी
कु० शिवांगी	16	श्री राधवेन्द्र			छात्रा
कु० देवांगी	12	श्री राघवेन्द्र			छात्रा
कु० परी	6	श्री राघवेन्द्र			छात्रा
श्री प्रेम शंकर (दक्ष/ककोर)	85	स्व० गौरीशंकर	४१८/२, जी०टी० रोड़, ४/ए, फ्लोर,	26654204 9830080089	अवकाशप्राप्त
श्रीमती रूपा	58B+	स्व० अशोककुमार	हावड़ा, उत्तर	9339515845	गृहणी
श्री अतुलकुमार	41O+	श्री प्रेमशंकर			व्यवसाय
चि० समीरकुमार		स्व० अशोककुमार		9007574570	सेवारत
श्री लोकेन्द्रनाथ (धौम्य/धरवारी)	60AB+	स्व० भीष्मचन्द्र	२६/सी, काली दत्त स्ट्रीट, कोलकाता,	25557042 9831533702	सेवारत
श्रीमती अपर्णा	55AB+	श्री लोकेन्द्रनाथ	७००००५		गृहणी
श्री विपुलकुमार	31B+	श्री लोकेन्द्रनाथ		9836333722	सेवारत
श्रीमती प्राची	26	श्री विपुलकुमार		9836301000	गृहणी
श्री नकुलकुमार	AB+	श्री लोकेन्द्रनाथ		9833074057	सेवारत
श्रीमती नुपुर	AB+	श्री नकुलकुमार			गृहणी
श्रीमती सुमन (धौम्य/धरवारी)	75B+	स्व० गिरजाशंकर	फ्लैट २२, २तल्ला, ८३/२२६,चिंताहरण	26728749 ९४३२३०१७०१	गृहणी
श्री जयदीप	36B+	स्व० गिरजाशंकर	भट्टाचार्या लेन,	9038530931	सेवारत
श्रीमती नीति	30B+	श्री जयदीपकुमार	बांगुर पार्क, रिषड़ा,	9831780030	गृहणी
चि० राघव	6B+	श्री जयदीपकुमार	हुगली, ७१२२४८		छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					कायमगंज
श्री अजीत कुमार (सौश्रवस/मिश्र)	62B+	स्व० क्षेम कृष्ण	२४, टालीगंज सर्कुलर रोड़,	9748736201 24009664	सेवारत
श्रीमती मंजू	58O-	श्री अजीतकुमार	कोलकाता -५३		गृहणी
श्री नीलकमल (सौरवस/मिश्र)	52O+	स्व० आदित्य प्रसाद	गंगेज रेसीडेन्सी, फ्लैट-२०२,डी०	24986828 9830321060	सेवारत
श्रीमती सोमबाला	50	श्री नीलकमल	३६,टालीगंज		गृहणी
कु० ईरा	24O+	श्री नीलकमल	सर्कुलर रोड़,	9433238000	सेवारत
कु० हर्षिता	22O+	श्री नीलकमल	कोलकाता -५३		सेवारत
					मलयपुर
श्रीमती सुमन (सौश्रवस/मिश्र)	79B+	स्व० गोपीबल्लभ	२६, कबीर रोड़, कोलकाता, ७०००२६	24640046	गृहणी
श्री अनुराग	47O+	स्व० गोपीबल्लभ		9830551823	सेवारत
श्रीमती गुंजन	45O+	श्री अनुराग		9831775215	गृहणी
कु० अनुश्का	15O+	श्री अनुराग			छात्रा
श्री रवि बल्लभ (सौश्रवस/मिश्र)	68	स्व० उमाबल्लभ	३४/२, प्यारेमोहन मुखर्जी स्ट्रीट,	26544661 9339304772	अवकाशप्राप्त
श्रीमती दामनी	63	श्री रवि बल्लभ	बेलुड़मठ, हावड़ा		गृहणी
श्री राजीव	36	श्री रवि बल्लभ		9433417199	सेवारत
श्रीमती मेघा	31	श्री राजीव			गृहणी
चि० रचित	6	श्री राजीव			छात्र
चि० राहुल	29	श्री रवि बल्लभ			सेवारत
श्री ब्रजबल्लभ (सौश्रवस/मिश्र)	88	स्व० जगन्नाथप्रसाद	फ्लैट-४ए, ब्लाक-बी, □फोर्टरेजीडेन्सी',	24461909	अवकाशप्राप्त
श्रीमती रतन	80	श्री ब्रजबल्लभ	३८,एस०एन०राय		गृहणी
श्री अजय बल्लभ		श्री ब्रजबल्लभ	रोड़, कोलकाता -३८		सेवारत
श्रीमती रंजना		श्री अजय बल्लभ			गृहणी
श्री रजत		श्री अजय बल्लभ			सेवारत
श्रीमती निधि		श्री रजत			गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					मथुरा
श्री राकेशनाथ (भारद्वाज/पाण्डे)	52	श्री विश्वेश्वरनाथ	फ्लैट-६, २३३, ए०जे०सी०बोस रोड़, कोलकाता ७०००२०	22870412 9830179603	सेवारत
श्रीमती साधना	47	श्री राकेशनाथ			गृहणी
कु० सुप्रिया	15	श्री राकेशनाथ			छात्रा
					मेरठ
श्री रंजन (धौम्य/घरवारी)	54O+	स्व० हेमप्रकाश	३सी० गितांजली मर्लिन इस्टेट, २५/८,डायमंड हार्बर रोड़, कोलकाता ७०००२७	32903505 9051848727	व्यवसाय
श्रीमती मिनाक्षी	50B+	श्री रंजन			प्रोफेसर
कु० मिनोरिका	22B+	श्री रंजन			ईंजीनियर
चि० अंचित	16B+	श्री रंजन			छात्र
श्री धीरज (धौम्य/घरवारी)	53O+	स्व० हेमप्रकाश	५७, आयडल टावर, १०ए, डायमंड रोड़, कोलकाता ७०००२७	9831032667 24494899	व्यवसाय
श्रीमती सीमा	46B+	श्री धीरज			व्यवसाय
कु० पल्लवी	22O+	श्री धीरज			सेवारत
चि० सिद्धान्त	20B+	श्री धीरज			छात्र-बीबीए
श्री प्रमोद(जिम्मी) (धौम्य/घरवारी)	72	स्व० अमरनाथ	फ्लैट-१/बी/६, बिल्डिंग १,आशा अपार्टमेंट,टालींगंज फाड़ी, कोलकता -३३	24238317 9836070969	अवकाशप्राप्त
श्रीमती आशा	63	श्री प्रमोद(जिम्मी)			गृहणी
श्री प्रशांत	34	श्री प्रमोद(जिम्मी)			सेवारत
श्रीमती सपना	31	श्री प्रशांत			गृहणी
श्री नीरज (धौम्य/घरवारी)	44B+	स्व० हेमप्रकाश	३१३, आजादहिन्द नगर, हाथी बेरीया,हल्दिया, नार्थ मिदनापुर	9332242569 30224267648	
श्रीमती पुनीता	40A+	श्री नीरज			
कु० इसिता	5	श्री नीरज			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					मेरठ
श्री राजकुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	74AB+	स्व० राजबहादुर	रायल कलकत्ता रेसकोर्श काम्प्लेक्श,	9830613701	अवकाशप्राप्त
श्रीमती गीता	63B+	श्री राजकुमार	हेस्टींग्स,		गृहणी
श्री अमित	34B+	श्री राजकुमार	कोलकाता-२२		सेवारेसकोर्स
श्रीमती अनुरिक्ता	37O+	श्री अमित			सीए
कु० अराधना	3	श्री अमित			
कु० अलीशा	2	श्री अमित			
					मैनपुरी
श्री दिनेशचन्द्र (सौश्रवस/मिश्र)	67O+	स्व० नित्यानन्द	बिल्डींग-३ए, फ्लैट२६, और ३२,	9830516320 26452491	सीए
श्रीमती सुनीला	64B+	श्री दिनेशचन्द्र	शान्तिनगर	9830774211	गृहणी
श्री राजेश(सोनू)	37B+	श्री दिनेशचन्द्र	कॉलानी,	9830490707	कंस्लटेंट
श्रीमती तृप्ति	37B+	श्री राजेश	लिलुआ ७११२०४		गृहणी
चि० उत्कर्ष	9B+	श्री राजेश		22215238	छात्र
कु० निष्ठा	5B+	श्री राजेश		22371373	छात्रा
श्री राकेश(टिल्ली)	35O+	श्री दिनेशचन्द्र		9830186465	LICएजेंट
श्रीमती कजली	32	श्री राकेश		9804326665	गृहणी
श्रीमती हेमा (सौश्रवस/मिश्र)	51B+	स्व० मिथिलेश	'निज निवास' २९/७, एन०के० बनर्जी स्ट्रीट,	26723016	गृहणी
कु० अंकिता	24O+	स्व० मिथिलेश	रिषड़ा, ७१२२४८	9830157027	छात्रा
श्री अमल कुमार (सौश्रवस/मिश्र)	60O-	स्व० शिवनारायण	नेशनल हाइवे, ग्रा० पाकुरीया,	9339635898 32545898	अवकाशप्राप्त
श्रीमती नम्रता	51B-	श्री अमल कुमार	पो० लक्षमणपुर,	9830051212	गृहणी
कु० टीना	22O-	श्री अमल कुमार	डोमजुर, हावड़ा	9674678966	छात्रा-एमबीए
श्री सुधीर कुमार (सौश्रवस/मिश्र)	55O-	स्व० प्रतापनारायण	'विद्या आर्टमेंट', ३६, नेताजी	9331020050 9330533486	सेवारत बैंक
श्रीमती नीलम	53B+	श्री सुधीर कुमार	सुभाष रोड़,		गृहणी
कु० वाणी	16O+	श्री सुधीर कुमार	रिषड़ा,७१२२४८		छात्रा

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					मैनपुरी
श्री विमल (सौश्रवस/मिश्र)	52A-	स्व० शिवनारायण	१, तारापद बोस लेन, शिवपुर,	26381566 9432336453	सेवारत-डेरी
श्रीमती अनु	48B+	श्री विमल	हावड़ा-२		गृहणी
कु० आयुषी	13B+	श्री विमल			छात्रा
कु० अदिति	10B+	श्री विमल			छात्रा
श्री तेजबहादुर (सौश्रवस/मिश्र)	64	स्व० ब्रजेन्द्रनाथ	५३, चरकतल्ला रोड़, उत्तरपाड़ा,	22747685	
श्री गोपेशकुमार	57	स्व० ब्रजेन्द्रनाथ	हुगली,	9883374188	शिक्षक
श्रीमती क्षमा	50	श्री गोपेश कुमार		8017703859	गृहणी
चि० अक्षय	18	श्री गोपेश कुमार			छात्र
चि० गौरव	16	श्री गोपेश कुमार			छात्र
श्री प्रकाशनारायण (सौश्रवस/मिश्र)	77O-	स्व० सोहनलाल	बिल्डींग-६, फ्लैट-३,और ४,	9051377176	सेवानिवृत
श्रीमती किरण	50O+	स्व० सुबोधकुमार	शान्तिनगर कॉलानी,		गृहणी
चि० प्रतीक	20O+	स्व० सुबोधकुमार	लिलुआ	9038853788	छात्र-सीए
श्री उपेन्द्र(छुन्नो) (सौश्रवस/मिश्र)	66A+	स्व० कालिकाप्रसाद	त्रिर्मूर्ति अपार्टमेंट फेस२, २०१,	9330027508	सेवानिवृत
श्रीमती उर्मिला	64B+	श्री उपेन्द्रनाथ	८९/२८४,बांगुड़	9038010767	गृहणी
चि० राजीव	30B+	श्री उपेन्द्रनाथ	पार्क,रिषड़ा,		सेवारत
श्री रतन	28	श्री उपेन्द्रनाथ	हुगली, ७१२२४८	9831182199	सेवारत
श्रीमती मिनाक्षी	25	श्री रतन			गृहणी
श्री संजय (सौश्रवस/मिश्र)		स्व० प्रेमनारायण	शिव अपार्टमेंट, १०४/१, जी०टी० रोड़, नार्थ, नन्दी बागान, हावड़ा		
श्री राजेश (सौश्रवस/मिश्र)	50B+	स्व० सुरेश चन्द्र	३३७, पर्णश्री पल्ली, बेहाला,	24079826 9830086420	सीए
श्रीमती शेफाली	47O+	श्री राजेश	कोलकाता ७०००६०		गृहणी
चि० विक्रांत	26B+	श्री राजेश			सेवा-एमबीए
कु० पूजा	20O+	श्री राजेश			छात्रा-सीए

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					मैनपुरी
श्री हेमचन्द्र (सौश्रवस/मिश्र)		स्व० मुरारीलाल	४ए, अशोका रोड़, अलीपुर, कोलकाता,	9831092218 24792259	सेवानिवृत
श्रीमती रतना		श्री हेमचन्द्र	७०००२७	24792813	गृहणी
					पिनाहट
श्री विजय कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	70	स्व० महेशचन्द्र	ए३डी०बी०, २८, साल्ट लेक, कोलकाता,	23218913	सेवानिवृत
श्रीमती शशी	68	श्री विजय कुमार	७०००६४		गृहणी
श्री योगेन्द्र(जसवन्तु) (धौम्य/घरवारी)	72B+	स्व० चम्पाराम	३७-३८, आशुतोष मुखर्जी लेन,	26653800 9433095647	सेवानिवृत
श्री विकाश	44B+	श्री योगेन्द्रनाथ	हावड़ा-६		व्यवसाय
श्रीमती रीना	43B+	श्री विकाश			गृहणी
चि० वैभव	11B+	श्री विकाश			छात्र
चि० यश	9B+	श्री विकाश			छात्र
					पुराकन्हैरा
श्रीमती सुधा (धौम्य/घरवारी)	75A+	स्व० पृथ्वी राज	४९/८३, रवीन्द्र सारणी, रिषड़ा,	9339340297	गृहणी
श्री सूर्यकान्त(मोहन)	35O+	स्व० पृथ्वी राज	हुगली-७१२२४८	9830181248	सेवारत
श्रीमती विनीता	30A+	श्री सूर्यकान्त(मोहन)		09997045080	गृहणी
श्री अनिल कुमार (धौम्य/घरवारी)	60	स्व० भोजराज	२९४, नेताजी कॉलानी, ३तल्ला,	25314018 9330840337	
श्रीमती अन्जू	56	श्री अनिल कुमार	बारानगर,कोलकाता		गृहणी
कु० रती	28	श्री अनिल कुमार	९०		सेवा-बैंक
चि० रजत	25	श्री अनिल कुमार		9088159901	
श्री भुवनेश (धौम्य/घरवारी)	57O+	स्व० खेतलदास	सुर-वितान, दमदम पार्क, ८८/बी,	25908108	सेवा-टीगार्डेन
श्रीमती सविता	56	श्री भुवनेश	श्यामनगर रोड़,		गृहणी
कु० प्रसंशा	12O+	श्री भुवनेश	कोलकाता -५५		छात्रा

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					पुराकन्हैरा
श्रीमती शिमला (धौम्य/घरवारी)	78B+	स्व० यतीशचन्द्र	२जी, बृन्दावन पाल लेन, श्यामबाजार		गृहणी
श्री पवनकुमार	48B+	स्व० यतीशचन्द्र	कोलकाता -३	9830291790	व्यवसाय
श्रीमती भावना	43O+	श्री पवनकुमार		9339538519	गृहणी
चि० प्रतीक	22O+	श्री पवनकुमार			
चि० सिद्धान्त	20B+	श्री पवनकुमार			
श्री करूणेश	47	स्व० बाबुलाल		9432640138	
श्रीमती प्रीति	43B+	श्री करूणेश		25554262	
कु० निमिषा	20	श्री करूणेश			छात्रा
श्रीमती मालती (धौम्य/घरवारी)	70B-	स्व० भूपेन्द्रनाथ	वेस्टविंड, देवांजन, ३२१, जीटी रोड़,	9830321976 26544833	गृहणी
श्री रजनी(डब्बू)	44B+	स्व० भूपेन्द्रनाथ	बेलूड़-७११२०७		सेवा-रियल्टी
श्रीमती रूबी	36AB+	श्री रजनीकान्त			गृहणी
चि० वैभव	14AB+	श्री रजनीकान्त			छात्र
श्री मुनीन्द्र नाथ (धौम्य/घरवारी)	53	स्व० विद्याभाष्कर	११७, सादर्न एवेन्यू, कोलकाता, ७०००२९	24661409	सेवारत
श्रीमती वन्दना	45B-	श्री मुनीन्द्र नाथ		9331265099	गृहणी
कु० नताशा	23A-	श्री मुनीन्द्र नाथ			छात्रा
श्री कृष्ण कुमार	48A+	स्व० विद्याभास्कर			सेवारत
श्रीमती आशा	39O+	श्री कृष्णा कुमार		9836263644	गृहणी
कु० दिव्या	16A+	श्री कृष्णा कुमार			छात्रा
कु० अंजलि	12B+	श्री कृष्णा कुमार			छात्रा
श्रीमती सुधा (धौम्य/घरवारी)	75A+	स्व० पृथ्वी राज	४९/८३, रवीन्द्र सारणी, रिषड़ा,	9339340297	गृहणी
श्री सूर्यकान्त(मोहन)	35O+	स्व० पृथ्वी राज	हुगली-७१२२४८	9830181248	सेवारत
श्रीमती विनीता	30A+	श्री सूर्यकान्त(मोहन)		09997045080	गृहणी
श्री कृष्णकान्त (धौम्य/घरवारी)		स्व० गोवरधनदास	३ए/३२, शांतिनगर कॉलानी, लिलुआ	9331037072	सेवारत

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					पुराकन्हैरा
श्री मधुरकान्त (धौम्य/घरवारी)	52	स्व० शिवनारायण	मानरोवर अर्पाटमेंट, १तल्ला,	9874819981	सेवारत
श्रीमती रंजना	48O+	श्री मधुरकान्त	८९/८२/२७७-२७८,	9874486121	गृहणी
चि० अभिनव	23O+	श्री मधुरकान्त	बांगुड़ा पार्क,	9990920893	छात्र
कु० नेहा	19	श्री मधुरकान्त	रिषड़ा,७१२२४८		छात्रा
					सिकन्दरपुर
श्रीमती मंजुला	66O+	स्व० प्रभातकुमार	गंगेज रेजीडेंसी फेस२, ब्लाक२, ३तल्ला, ३७, टालीगंज सर्कुलर रोड़, कोलकाता, ५३	24988103 **9831179199**	अवकाशप्राप्त
श्री कृष्णकान्त (सोश्रवश/मिश्र)	52O+	स्व० भानुदत्त	अनीशा अपार्टमेंट	9831739595	व्यवसाय
श्रीमती सुनीता	50	श्री कृष्णकान्त	८९/२११, बांगुड़ पार्क,१३लेन,	9163355999	गृहणी
चि० मोहित	27A+	श्री कृष्णकान्त	रिषड़ा, हुगली	9804199148	सेवारत
कु० नम्रता	25A+	श्री कृष्णकान्त		9051411223	सेवारत
श्री कैलाश नाथ (सोश्रवश/मिश्र)	85	स्व० जयदयाल	२०, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट,	9433094059	सेवानिवृत
श्रीमती कपुरी	80	श्री कैलाशनाथ	बलदेवजी का मंदिर,		गृहणी
श्री उमाकान्त	45O+	श्री कैलाशनाथ	कोलकाता-७	9836294059	ट्रान्सपोर्ट
श्रीमती उमा	41O+	श्री उमाकन्त			गृहणी
कु० आकांक्षा	17O+	श्री उमाकान्त		8981773487	छात्रा
कु० अदिती	12O+	श्री उमाकन्त			छात्रा
चि० आयुष	10O+	श्री उमाकान्त			छात्र
चि० भूपेन्द्र	40O+	श्री कैलाशनाथ			सेवारत
					तालगांव
श्रीमती पुष्पा (भारद्वाज/पाण्डे)	70	स्व० भगवतीप्रसाद	८९/२३३, सरजू अपार्टमेंट, ३तल्ला,	9830120111	गृहणी
श्री प्रवेश	36	स्व० भगवतीप्रसाद	एस सी आउन रोड़,		व्यवसाय
श्रीमती अर्चना	32	श्री प्रवेश	बांगुड़ पार्क, रिषड़ा,		गृहणी

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					तालगांव
श्री गोकरणनाथ (धौम्य/घरवारी)	55O+	स्व० लेखराज	४९/४, बांगुर पार्क, १३वी लेन,	26722002 9831033371	सेवा-बैंक
श्री पुनीत कुमार	27O+	श्री गोकरणनाथ	रिषड़ा,७१२२४८	9007208101	सेवा-बैंक
श्रीमती प्रज्ञा	26O+	श्री पुनीत कुमार		22316729	गृहणी
कु० मीनाक्षी	25O+	श्री गोकरणनाथ			छात्रा-एमबीए
श्री हितेश	37O+	स्व० लेखराज			सेवारत
श्रीमती प्रीति	33	श्री हितेश			गृहणी
चि० उत्कर्ष	7	श्री हितेश			छात्र
श्री रंजन (धौम्य/घरवारी)	42	श्री दीनदयाल	३५बी, एन एस रिषड़ा, हुगली,	9339305956	व्यवसाय
श्रीमती कामना	38B-	श्री रंजन	७१२२४८		गृहणी
कु० दीपांशी	7	श्री रंजन			छात्रा
चि० गौतम (भारद्वाज/पाण्डे)	27	श्री बुद्धसेन	१६७, एन एस रोड़, ६५, २तल्ला, राजाकटरा,कोलकाता	8820540088 8017602314	
					तरसोखर
श्री आनन्द (भारद्वाज/पाण्डे)	50O+	श्री यतीन्द्रमोहन	एम० ४०४, वी०आई० पी० इनक्लेव,	25006826	व्यवसाय
श्रीमती वाणी	48O+	श्री आनन्द	कोलकाता-५९	9433012525	गृहणी
चि० आदित्य	17O+	श्री आनन्द			छात्र
चि० अभिनव	9O+	श्री आनन्द			छात्र
श्री प्रफुल कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	46	श्री यतीन्द्रमोहन	११ए, गोपाल बोस लेन, कोलकाता-९	23508005 9433008005	व्यवसाय
श्रीमती नीना	45O+	श्री प्रफुलकुमार			गृहणी
कु० नन्दिनी	13	श्री प्रफुलकुमार			छात्रा
श्री पूरन चन्द्र (भारद्वाज/पाण्डे)	71	स्व० श्रीरामलाल	११ए गोपाल बोस लेन,कोलकाता -९	23604799 9883269964	
श्रीमती सुनीति	68	श्री पूरनचन्द्र			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					तरसोखर
श्री विजय(लालो) (भारद्वाज/पाण्डे)	55B+	स्व० रिद्धकरण	हेला बरतल्ला, हथियारा रोड़,	25726477	सेवारत
श्रीमती भारती	49B+	श्री विजय	एल०टी० ज्वेलर्स के	22828155	गृहणी
कु० शिप्रा	24B+	श्री विजय	पास, कोलकाता		छात्रा
चि० अक्षय	18B+	श्री विजय	७००१५७		छात्र-ईंजी
चि० आशीष (भारद्वाज/पाण्डे)	25B-	श्री देवेन्द्र	१९३, राजादिनेन्द्र स्ट्रीट, श्यामबजार, कोलकाता	9330557010	सेवा-एमबीए
चि० सुनील (भारद्वाज/पाण्डे)	36	स्व० नरसिंह दास	११डी० गोपाल बोस लेन,	9331733961 9903508796	सेवारत
श्रीमती अम्रता	39B-	डा० संजय	कोलकाता-९		सेवारत
कु० अदिती	8B+	डा० संजय			छात्रा
श्री अशोक (भारद्वाज/पाण्डे)	73	स्व० बुद्धसेन	११सी० गोपाल बोस लेन, कोलकाता	23506378 9874526862	व्यवसाय
श्री अमितकुमार	40B+	श्री अशोककुमार	७००००९	9433028182	व्यवसाय
श्रीमती तृप्ती	39B+	श्री अमितकुमार			गृहणी
श्री ऋषिकेश	64	स्व० बुद्धसेन		9330697889	व्यवसाय
श्री रोहित	29AB-	श्री ऋषिकेश		9433078283	व्यवसाय
श्रीमती रूचि	25	श्री रोहित			गृहणी
श्री दिवाकर (भारद्वाज/पाण्डे)	65	स्व० शंकरदयाल	३०, कैलाश बोस स्ट्रीट, कोलकाता-६	23501980 9831950390	सेवानिवृत
श्रीमती रश्मि	60	श्री दिवाकर			गृहणी
श्री अभिषेक	30	श्री दिवाकर			सेवारत
श्रीमती रितु	29	श्री अभिषेक			गृहणी
चि० बाबी		श्री अभिषेक			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र

तरसोखर

श्रीमती मालती (भारद्वाज/पाण्डे)		स्व० मैथिलीशरण	मानसरोवर अपार्टमेन्ट,		
श्री दिलीप		स्व० मैथिलीशरण	(जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।)		
श्रीमती मंजू		श्री दिलीपचन्द्र			
कु० जयन्ती		श्री दिलीपचन्द्र			
कु० आकांक्षा		श्री दिलीपचन्द्र			
श्री भरत कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	68	स्व० दीपचन्द्र	श्रीकृष्ण अपार्टमेंट, १३८,बी एम साहा	9163401565	सेवानिवृत
श्रीमती गीता	65	श्री भरतकुमार	रोड़, नंदन कानन,		गृहणी
कु० रीना	35	श्री भरतकुमार	हिन्दमोटर, हुगली		सेवा-एमए
श्री वीरेन्द्र(पुत्तूलाल) (भारद्वाज/पाण्डे)	64O-	स्व० दीपचन्द्र	'नीलकंठ अपार्टमेन्ट' ८९/३०३, बांगुर	26725868 9903397231	सेवानिवृत
श्रीमती बीना	61AB+	श्री वीरेन्द्र	पार्क,फ्लैट-१०१,	9831516582	सेवानिवृत
कु० ऋतु	A+	श्री वीरेन्द्र	रिषड़ा ७१२२४८		छात्रा
श्रीमती शान्ति (भारद्वाज/पाण्डे)	70	स्व० घनश्यामदास	४७, शिवठाकुर गली,कोलकाता -७		गृहणी
श्रीमती कामिनी	46	स्व० प्रभात कुमार			गृहणी
चि० परख	18	स्व० प्रभात कुमार		9038929594	छात्र
कु० प्रतिक्षा	14O+	स्व प्रभात कुमार		8961701826	छात्रा
चि० प्रशान्त	45	स्व० घनश्यामदास		9239019321	सेवारत
श्री दीपक (भारद्वाज/पाण्डे)	31A-	स्व० शैलेन्द्र (भिंड)	२४ए, धनदेवी खन्ना रोड़, कोलकाता-५४	9836193340	सेवा-बैंक
श्री मिथिलेश (भारद्वाज/पाण्डे)	65	स्व० महेशचन्द्र	८७, जोधपुर गार्डेन, कोलकाता	32021235 9830735746	व्यवसाय
श्रीमती निशा	57	श्री मिथिलेशचन्द्र	७०००४५		गृहणी
चि० आनन्द	32	श्री मिथिलेशचन्द्र			इंश्योरेंश
चि० आशीष	29	श्री मिथिलेशचन्द्र		9331684835	व्यवसाय

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					तरसोखर
श्री अखिलेश (भारद्वाज/पाण्डे)	46	स्व० महेशचन्द्र	१६८, काटन स्ट्रीट, ४तल्ला,	9163971804 9007641385	व्यवसाय
श्रीमती दीपा	42	श्री अखिलेश	कोलकाता-७००००		गृहणी
कु० निधि	18	श्री अखिलेश			छात्रा
कु० रिद्धि	13	श्री अखिलेश			छात्रा
श्री सुधीर कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	62B+	स्व० निरंजनलाल	१६८ए, कॉटन स्ट्रीट, ४तल्ला,हुक्का	9339734959	सेवारत
श्रीमती मीरा देवी	60	श्री सुधीर कुमार	पट्टी, कोलकाता-	9681082810	गृहणी
कु० दिव्या	15B+	श्री सुधीर कुमार	७		छात्रा
श्री ओंकार नाथ (भारद्वाज/पाण्डे)	72	स्व० मुरारीलाल	३०३, २/डी, शान्तिनगर कॉलानी,	9748008698	व्यवसाय
श्रीमती बीना	60	श्री ओंकारनाथ	एन०एस० रोड़,		गृहणी
चि० रमेश	28	श्री ओंकारनाथ	मिनी मार्केट		सेवारत
चि० सुरेश	25	श्री ओंकारनाथ	लिलुआ		व्यवसाय
चि० गणेश	22	श्री ओंकारनाथ			व्यवसाय
कु० लक्ष्मी	20	श्री ओंकारनाथ			
श्रीमती रेखा (भारद्वाज/पाण्डे)	52	स्व० उपेन्द्रनाथ	१३४/ई-/३१९, 'सुखीसंसार'	9748996202 32513543	गृहणी
श्री नीरज	32	स्व० उपेन्द्रनाथ	अबानी दत्ता रोड़,	9831324807	व्यवसाय
श्रीमती गरिमा	26	श्री नीरज	हावड़ा-७११११०६		गृहणी
कु० अनिशा	2	श्री नीरज			
कु० रिचा	27O+	स्व० उपेन्द्रनाथ		9831878290	
श्रीमती गिरजा (भारद्वाज/पाण्डे)	70	स्व० नरेशचन्द्र	४, अनुकूल मुखर्जी रोड़, २तल्ला	9831150561	गृहणी
श्री ओमप्रकाश	41O+	स्व० नरेशचन्द्र	कोलकाता-६		व्यवसाय
श्रीमती दीप्ति	35	श्री ओमप्रकाश			गृहणी
कु० ऐश्वर्य	14	श्री ओमप्रकाश			छात्रा
चि० देवांश	7	श्री ओमप्रकाश			छात्र

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					तरसोखर
श्री राजेश (भारद्वाज/पाण्डे)	36	स्व० नरेशचन्द्र	५१, चिंतामणीदेव रोड़, हावड़ा	9830094136	व्यवसाय
श्रीमती शिप्रा	33	श्री राजेश			गृहणी
चि० हर्ष	8	श्री राजेश			छात्र
चि० मोहित	3	श्री राजेश			छात्र
श्री पवन	30A+	स्व० नरेशचन्द्र		9830994136	व्यवसाय
श्रीमती दीप्ती	30AB-	श्री पवन			गृहणी
कु० अनन्या	1A+	श्री पवन			छात्रा
श्रीमती कान्ती (भारद्वाज/पाण्डे)		स्व० रवीन्द्रनाथ	४७, शिवठाकुर गली, कोलकाता -७		
चि० संजय	45	स्व० रवीन्द्रनाथ		9433383311	सेवारत
श्री अनिल (भारद्वाज/पाण्डे)	52A+	स्व० चूरामणि	बिल्डिंग नं० ४, फ्लैट-१०,		व्यवसाय
श्रीमती पूनम	44O+	श्री अनिल कुमार	शान्तिनगर	9231465063	गृहणी
कु० गीतिका	18O+	श्री अनिल कुमार	कॉलानी, लिलुआ	9038482741	छात्रा
कु० कीर्ति	15A+	श्री अनिल कुमार			छात्रा
श्रीमती शोभा (भारद्वाज/पाण्डे)	B+	पुत्री- योगेन्द्रनाथ (जसवंतु)	डबसन रोड़, हावड़ा		गृहणी
श्री अरूण (भारद्वाज/पाण्डे)	65	स्व० मुरारीलाल	ए२सी, बिल्डिंग नं०९, फ्लैट-२०२, शान्तिनगर	26451786	व्यवसाय
श्रीमती शशी	62	श्री अरूण कुमार	कॉलानी, लिलुआ		गृहणी
श्री रोहित	33	श्री अरूण कुमार			सेवारत
श्रीमती कीर्ति	29	श्री रोहित			गृहणी
कु० तृप्ति	4	श्री रोहित			छात्र
चि० शौर्य	2	श्री रोहित			

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					तरसोखर
श्री सत्यप्रकाश (भारद्वाज/पाण्डे)	70	स्व० भैरोंप्रसाद	१२३, द्वारिक जंगल रोड़,	9831120696	सेवानिवृत
श्रीमती सुबोधिनी	65	श्री सत्यप्रकाश	भद्रकाली, हुगली		गृहणी
चि० सन्दीप	28	श्री सत्यप्रकाश			सेवारत
श्रीमती सरला (भारद्वाज/पाण्डे)	86B+	स्व० नेमचन्द्र	'कृति अपार्टमेंट' ८९/३५१, बांगुर	9339778229	गृहणी
श्री मुकेश	49B+	स्व० नेमचन्द्र	पार्क, रिषड़ा		सेवारत
श्रीमती अपर्णा	45O+	श्री मुकेश	७१२२४८	9748504675	गृहणी
कु० आयूषी	15	श्री मुकेश			छात्रा
चि० वैभव	12O+	श्री मुकेश			छात्र
कु० आशिका	7	श्री मुकेश			छात्रा
श्री अनुज (वशिष्ठ/जौनमाने)	36B+	स्व० सुशीलकुमार	'कृति अपार्टमेन्ट', ८९/३५१, बांगुर	9830129030 9331129030	सेवारत
श्रीमती स्वेता	36AB-	श्री अनुज	पार्क, रिषड़ा	9433677610	गृहणी
चि० प्रांजल	5	श्री अनुज	७१२२४८		छात्र
चि० दर्श	1	श्री अनुज			
श्री मुकुन्द कृष्ण (भारद्वाज/पाण्डे)	55A+	स्व० सेवाराम	जे १, बीएल ३, उद्यान, ५०/ए,	26686170 9433039201	सेवारत
श्रीमती कुसुमलता	51A+	श्री मुकुन्द कृष्ण	कालेज रोड़,	64540402	गृहणी
कु० कोपल	24A+	श्री मुकुन्द कृष्ण	शिवपुर हावड़ा		सेवा-बैंक
चि० किंशुक	20A+	श्री मुकुन्द कृष्ण			छात्र
श्री कुमुद कुमार (भारद्वाज/पाण्डे)	56	स्व० चूरामणि	बिल्डिंग नं० ६, शान्तिनगर	26456122 9339287792	व्यवसाय
श्रीमती नीलम	54	श्री कुमुद कुमार	कॉलानी,		गृहणी
श्री विवेक	28	श्री कुमुद कुमार	फ्लैट-३, लिलुआ		सेवा-बैंक
श्रीमती नेहा	23	श्री विवेक			गृहणी
चि० सौरभ	25	श्री कुमुद कुमार			छात्र-सीए

नाम (अल्ल/गोत्र)	ब्लड ग्रुप	पिता/पति का नाम	पता	दूरभाष	कार्यक्षेत्र
					फिरोजाबाद
श्री करतार सिंह (सौश्रवस/पुरोहित)	77OA+	स्व० बनवारीलाल	चित्रकूट अपार्टमेंट, नया पट्टी, सेक्टर-५,	23677243	सेवानिवृत
श्रीमती आरती	72	श्री करतार सिंह	नये ब्रिज के पास,	9830905852	गृहणी
कु० अनुराधा	30	श्री करतार सिंह	साल्ट लेक सिटी, कोलकाता, ७००१०२		सेवा-एमबीए

निवेदन

बन्धुवर पालागन,

सर्वप्रथम नमन जगत जननी **'मां काली'** को जिनकी नगरी कलकत्ता कई मथुरांत से जुड़े बान्धवों की कर्म भूमि बनी तो कईयों की जन्मभूमि भी। परिवारों के घटने एवं बढ़ने के दौरान कई पुराने चेहरे आखों से ओझल हुये तो कई नये उदीयमान चेहरे नजर आने लगे हैं। संपर्क सूत्रों में तेजी से बदलाव की वजह से सम्पर्क में कठिनाई आने लगी थी।

अनुज भ्राता **सूर्यकान्त चतुर्वेदी (मोहन) (पुरा/रिषड़ा)** व **भाई चतुर्भुज दास (चन्द्रपुर/लिलुआ)** के साझा प्रयास से **'परिचायिका २०११ एवं रिति रिवाज संस्कार'** नये रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत है।

आभार **'श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, कलकत्ता'** एवं **कार्यकारिणी २०१०-२०११** के सदस्यों का जिन्होंने परिचायिका के संशोधन एवं प्रकाशन का कार्य सौंपा एवं यथा संम्भव सहयोग दिया।

परिचायिका को नये रूप में लाने में **आदरणीय श्री रामेश्वरदयाल जी चतुर्वेदी, (जहांगीरपुर/कलकत्ता)** एवं उनकी पत्नी **श्रीमती आभा चतुर्वेदी** का अथक, निश्चल एवं निःस्वार्थ सहयोग स्मरणीय है। उन्हें साधुवाद प्रेषित है।

मानविक प्रयासों में त्रुटियां सम्भव हैं, अनजाने हुयी किसी त्रुटि के लिये क्षमा प्रार्थी हूँ।

सामाजिक रीतिरिवाजों को जीवन्त रखते हुये, समाज के मोतियों को एक तार में पिरोकर जो हार तैयार हुआ उस **परिचायिका २०११ एवं रीति रिवाज संस्कार** रूपी हार को पूर्ण भक्ति के साथ पूज्य **पापा स्व० पृथ्वी राज चतुर्वेदी 'राज बाबू' (पुरा/टूण्डला/रिषड़ा)** की पुण्य स्मृति में एवं **भाई चतुर्भुजदास चतुर्वेदी** द्वारा उनकी **माता स्व० किरणा देवी की स्मृति** में **'श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, कलकत्ता** को सादर समर्पित है।

मधुर यादों के सुमन यूं ही खिलते रहें, प्रीत के दीप सदैव जलते रहें।
हम हैं मोती एक ही उर माल के, कभी बिछड़े तो कभी मिलते रहें।।

पुनः पालागन सहित,

अभयराज चतुर्वेदी (सीबू)
पुत्र - स्व० पृथ्वी राज चतुर्वेदी
979, पी० जी० एफ० हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी
सेक्टर 39, गुडगांव-122001

चतुर्भुजदास चतुर्वेदी
मां किरण निवास
बिल्डिंग 10, शान्तिनगर फ्लैट नं० 408,
2सी, एन० एस० रोड़, लिलुआ, हावड़ा

गायत्री आराधना का महत्व

आचार्य रामस्वरूप चतुर्वेदी

1- ब्रह्मा गायत्री, आर्य संस्कृति का प्रतीक

सद्ज्ञान का अक्षय भण्डार गायत्री महामंत्र ब्रह्म गायत्री के नाम से विशेषतः प्रसिद्ध है। यह मंत्र वेदत्रयी यानी ऋग, साम, यजुः में प्रतिष्ठित है जहां इसके ऋषि विश्वामित्र तथा देवता सविता है। आर्य जाति का सबसे प्राचीन एवं प्रमाणित ग्रन्थ वेद हैं, तथा वेदों में सबसे श्रेष्ठ मंत्र गायत्री मंत्र ही है। ब्रह्म की सर्वांगीण प्रतिमा जैसी इसमे व्यक्त है वैसी अन्य किसी मंत्र में नही। इसी को आधार बनाकर शताब्दियों तक उपनिषदों का अध्यात्म विकसित होता रहा है। इसी कारण, अति प्राचीन काल से, इसे ही 'गुरू मंत्र' मान लिया गया। वस्तुतः यह आर्य सभ्यता का प्रतीक बन गया।

गायत्री का स्तवन बड़े बड़े ऋषि मुनियों से लेकर जन साधारण स्त्री-पूरूषों के लिए समान रूप से आवश्यकीय माना गया। द्विजातियों यानी ब्राह्मण, क्षत्रीय, वैश्य के लिए तो यह नित्य कर्म बन गया। इसी कारण हजारों वर्ष से बड़े-बड़े महात्माओं द्वारा इसका स्तवन होता रहा है अतएव इसमें मंत्र शक्ति भी प्रचुर मात्रा में समाहित हो गई। अतः सांसारिक उपलब्धियां जैसे कष्ट निवारण अथवा रोग निवारण या अन्य किसी मनोवांच्छित फल प्राप्ति के लिए भी प्राचीन काल से इसका अनुष्ठान होता रहा है।

2-गायत्री का साधारण अर्थ

मंत्र शक्ति का पूरा लाभ तभी प्राप्त होता है जब उपासना अर्थ भावना सहित की जाय। अतः पहले इसका साधारण और बाद में प्रत्येक शब्द का अर्थ तथा मंत्र में निहित मुख्य-मुख्य भाव प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। बिना अर्थ समझे भाव विहीन मंत्रोचारण तो तोता-रटन्त के समान हो सकता है।

गायत्री मंत्र-

ॐ भूर्भुवःस्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

अर्थ : (साधारण) तीनों लोकों में व्याप्त इस ब्रह्माण्ड के सृष्टा सत् चित् हैं आनन्द स्वरूप परम ब्रह्म परमात्मा के वरण करने योग्य तेज (भर्ग) को हम धारण करते हैं (ध्यान करते है) जो हमारी बुद्धियों को प्रेदित करता है।

स्पष्ट है कि इस मंत्र में पहले हम ब्रह्म की साकार प्रतिमा को हृदयंगम करते है। तदनन्तर अनुभव करते हैं कि उसी का तेज पुन्ज हमारे हृदयस्थ आत्मा को प्रकाशित कर रहा है। अतः हमें सदैव उसी के द्वारा अपनी बुद्धि को संचालित समझना चाहिए।

3-गायत्री मंत्र का शब्दार्थ

ब्रह्म गायत्री ब्रह्म के प्रतीक ओंकार से आरम्भ होती है। अतः ब्रह्म के यथासंभव भाव से हमें परिचित होना चाहिए। कई उपनिषदों में इसे समझने का प्रयास हुआ है। वैसे इसे अचिन्त्य भी माना है।

ॐ (ब्रह्म की सरल व्याख्या)

तैतिरीय उपनिषद (1-8-1) में कहा है, "ओमिति ब्रह्मा" यह ॐ है वही ब्रह्म है। छांदोग्य में कहा है (2-23-3) "ओंकार एवेदं सर्वम्" यह सब कुछ (दृष्ट एवं अदृष्ट सृष्ठि) ओंकार ही है। समझना चाहिए कि इसका क्या अभिप्राय है। ॐ की व्याख्या चतुष्पाद (चार पैर वाला) मान कर की गई है। यानी (अ उ म ॐ)। ब्रह्म की पृष्टि भूमि लेकर माण्ड्क्य उपनिष्द में इन्हे इस प्रकार माना है।

अकारो नयते विश्वम् उकारश्चापि तैजसम्।
मकारश्चापि पुनः प्राज्ञ नामात्रे विद्यते गति।।

अर्थः 'अकार' विश्व ब्रह्माण्ड के स्थूल दृष्ट जगत में व्याप्त है। **'उकार'** तैजस, सूक्ष्म जगत में नाना प्रकार की ऊर्जा (ताप, विद्युत, गुरूत्व चुम्बकत्व आदि) का प्रतिनिधित्व करता है। 'मकार' प्राज्ञ द्वारा ब्रह्माण्ड का संचालन हो रहा है जो चेतन तत्व है। इसी को कारण ब्रह्म समझा गया है। लेकिन चौथा पाद अमात्र है यह मन एवं इंद्रियों द्वारा अग्राह्य तथा अव्यवहार्य, अदृष्ट, अलक्षण अचिंत्य, शान्त शिव एवं अद्वैत रूप आत्मा ही है। यह केवल ब्रह्म ज्ञानियों के अनुभव का विषय है।

भूः भुवः स्वः ये ब्रह्माण्ड के अन्तर्गत तीनों लोकों के प्रतीक है और उसकी साकार प्रतिमा व्यक्त करते है।

भूः लोक हमारी पृथ्वी, भुवः लोक पृथ्वी से लेकर ध्रुव नक्षत्र तक अंतरिक्ष के सभी असंख्य तारागण। लेकिन स्वः अन्य सभी लोकों (स्वः, भहः, जनः, तपः, सत्यम् आदि) का प्रतीक है।

तत् सवितुः- उस जगत के सृष्टा (परमात्व देव)।

वरेण्यं भर्गो देवस्य - (परमातम) देव के वरण करनेयोग्य तेज (भर्ग) को

धीमहि- धारण करते है (ध्यान करते है)।

वेदों में कहा है **'जीवो ब्रह्मैव नापरः'** यानी हमारा शरीर स्थित जीव ब्रह्म ही है। हम उसकी उपस्थिति ज्योति का कभी विस्मरण न करे। इस सम्बन्ध में माण्डक्य उपनिषद कहता है :-

'प्रणवं ही श्वरं विद्यात्सर्वस्य हृदि संस्थितम्।
सर्व व्यापिन ओकांर मत्वा धीरो न शोचित।।

अर्थः- प्रणव को ही सबके हृदय में स्थत ईश्वर जानो, इस प्रकार हृदयस्थ सर्व व्यापी ईश्वर का ज्ञान हो जाने पर बुद्धिमान पुरूष किसी भी प्रकार का शोक नहीं करता है।

वही लोग छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष एवं असत्य भाषण करते है जो अंतः ज्योति से अपरिचित हैं।

धियो - (बुद्धि,) यो - (जो,) नः - (हमारी,) प्रचोदयात् - प्रेरित करे।

प्रकृति के साम्राज्य में बुद्धि की सत्ता सर्व शिरोमणि है। अंतरात्मा बुद्धि के माध्यम से ही सद्-असद् का ज्ञान मन की ओर अग्रसर करता है। मन स्वभावतः चंचल है। बुद्धि द्वारा मन का अनुशासन ही हमें पशु की श्रेणी से ऊपर उठाता है। कठोपनिषद (3/10) में कहा गया है -

'इन्द्रयेभ्यः परह्यर्था अर्थेभ्यश्च परमनः।
मनसस्तु परा बुद्धिबुर्द्धेरात्मा महान परः॥

अर्थः- इन्द्रियों से उनके विषय बलवान है। विषयों से मन प्रबल है। मन से भी बुद्धि बलवती है। लेकिन आत्मा सबका स्वामी होने के कारण सभी का नियंत्रण करता है।

प्रवृत्ति एवं निवृत्ति मार्गी, दोनों ही, बुद्धि के माध्यम से कार्य सम्पन्न करते है। परिणाम सुख दुख के रूप में सामने आता है। यदि हम हृदयस्थ आत्मा (ईश्चर) के अनुकूल ही बुद्धि का संचालन होने दें तो जीवन में असफलता कैसी? लेकिन हम इस तथ्य की उपेक्षा करते हुए मन-मानी ही करते रहते हैं। इसी कारण ईर्ष्या, द्वेष, असंतोष आदि विकारों के शिकार बनते हैं। गायत्री आराधना हमें अपनी बुद्धि का आत्मा द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए सदैव बनाए रखती है।

4-एक आवश्यक स्पष्टीकरण

अंत में यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हिन्दू धर्म, में हमारे शाष्त्रों के अनुसार परमात्मा का ध्यान दो प्रकार से करते हैं (1) अभेद भावना से तथा (2) भेद भावना से। वस्तुतः यह रुचि अथवा समझने मात्र का अन्तर है। पहले वाले अद्वैतवादी महात्मा जीव-ब्रह्म के भेद को अविद्या जनित मानते हैं। दूसरे भेद वादी भवुक व्यक्ति जीव तथा ईश्वर में तात्विक भेद मानते हैं। वे अपने उपास्य देव की ध्यानमयी उपासना में ही आस्था रखते हैं।

दोनों ही प्रकार से जीव को समान रूप से परमानन्द की प्राप्ति होती है कारण हमारे देवी देवता परमेश्वर से पृथक अथवा उसके प्रतिद्वन्दी नहीं। एक प्रसिद्ध श्लोक है (पुष्पदंत)

रुचीनाम् वैचित्र्याद् ऋजु कुटिल नानापथ जुषाम्।
नृणाम् एको गम्यस्त्वमसि पयसार्णव इव॥

अर्थ- जैसे शीधे अथवा टेढ़े मेढ़े बहाव वाली नदियों का जल अंततोगत्वा समुद्र में ही पहुँचता है उसी प्रकार, हे प्रभो। मनुष्यों द्वारा विभिन्न प्रकार से की हुई उपासना अवश्य ही आप तक पहुँच जाती है।

यदि कोई मनुष्य अपने इष्ठ देव यानी राम, कृष्ण, महेश, गणेश अथवा दुर्गा, पार्वती, सरस्वती आदि के समक्ष गायत्री मंत्र से उपासना करता है तो उसमें भी कोई दोष नहीं। कारण यह सभी देवी देवता उस परब्रह्म परमात्मा की ही शक्तियां हैं। अतः उनके द्वारा ब्रह्मोपासना भी यथार्थ रुप से युक्ति युक्त मानी जानी चाहिए।

5-महामंत्र गायत्री की दिव्यता - स्पष्ट है, महामंत्र द्वारा ब्रह्म की सूक्ष्म शक्तियों के स्त्रोत को प्राप्त करते हैं। स्थूल जगत का भी यथा तथ्य ज्ञान प्राप्त होने से हम विश्व व्यापी ब्रह्म से एक अकथनीय सम्बन्ध स्थापित कर लेते हैं। वास्तव में आद्यशक्ति गायत्री की ही दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी आदि शक्तियों में परिणति हुई है। इसी कारण गायत्री माता द्वारा मनुष्य को मानसिक, आत्मिक अथवा सांसारिक सभी क्षेत्रों में उपलब्ध हो सकने वाली शक्तियां सुलभ हो जाती है। लौकिक जीवन को सुखी, समृद्ध, समुन्नत बनाने में भी गायत्री उपासना कारगर सिद्ध होती है। अतः मनुष्य ही नहीं देवता भी सदैव से इस महामंत्र की उपासना करते रहे हैं।

सर्ववेद सारभूता गायत्र्यास्तु समर्चना।
ब्रह्मादयोऽपि संध्यायां तांध्यायन्ति जपन्ति च।।

अर्थ - गायत्री मंत्र की आराधना समस्त वेदों का सारभूत है। ब्रह्मादि देवता भी संध्या काल में गायत्री का ध्यान करते हैं, जप करते हैं।

- इति -

माथुर चतुर्वेदी गोत्रादि

ज्यों ज्यों गोत्रों की जनसंख्या का विस्तार होता गया, त्यों त्यों कारण-विशेष से उनमें आभ्यन्तरिक वर्ग-विभाग होता गया और वही 'अल्ल' कहलाई, ऐसा अनुमान असंगत न होगा।

यह स्मरण रखने की बात है कि गोत्र-प्रवर्त्तक अथवा प्रवर कहे जानेवाले सब महर्षि ब्राह्मण हुए हैं, और एक गोत्रीय ब्राह्मण सब एकही- गोत्र प्रवर्त्तक- ऋषि की सन्तान हैं। हाँ क्षत्रिय और वैश्य द्विजातियों के गोत्र उनके गुरुओं के गोत्र पर आधरित हुए। 'अल्ल' के बारे में प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं परन्तु विश्वास है कि अल्ल कोई मनगढ़ंत भी नहीं कहा जा सकता। संस्कृत में अल्ल शब्द का अर्थ 'माता' है।

गोत्र-प्रवर आदि का महत्व-

'हरिः ओम् प्रयति पाणिः शरणः प्रपद्येः
स्वस्ति संवाधे श्वभयन्नो अस्तु'

शादी-विवाह में गुरूजी सामवेदी स्वरलय में शाखोचार गायन करते हुऐ हमारे वेद, शाखा, गोत्र, प्रवर, कुलदेवी इत्यादि का क्रमवध वर्णन करते हैं।

माथुर चतुर्वेदी ब्राह्मणों के गोत्र, प्रवर अल्ल आदि की तालिका

गोत्र, प्रवर आदि	अल्लें
1- **भारद्वाज गोत्र** के **तीन प्रवर- आंग्ड़रिस, बार्हस्पत्य एवं भारद्वाज- वेद, सामवेद-शाखा राणायनी** -	1)पाँड़े, 2)पाठक, 3)रावत, 4)तिवारी, 5)नसवारे, 6)कारेनाग, 7)पिलहोली, 8)वीसा, 9)चोपौली, 10)भाँमले, 11)अजभियाँ, 12)कोहरे, 13)दियाचाट, 14)सड्डभेसरे, 15)गुनार और 16)सिकरोरी।
2- भार्गव-गोत्र के **पाँच प्रवर - भार्गव, च्यवन, आप्नुवान, और्व एवं यमदग्नि-वेद, ऋग्वेद-शाखा आश्वलायन-**	17)दीक्षित, 18)गह्यचार, 19)दरर, 20)गुगोलिया, 21)गोंहजे, 22)कनेरें, 23)तर्र, 24)घेहरिया, 25)सरबना, 26)चतुरमुर्र, 27)आमरे और 28)मकनियाँ।

गोत्र, प्रवर आदि	अल्लें
3- वशिष्ठ-गोत्र के **तीन प्रवर - वशिष्ठ, शक्ति एवं पाराशर-वेद, ऋग्वेद-शाखा, आश्वलायन-**	29)निनावली, 30)काहो, 31)जौनमाने, 32)बट्ठिया, 33)डाहरू, 34)डुँडवार, 35)पैठवार और 36)उटोलिया।
4- सौश्रवस-गोत्र के **तीन प्रवर- विश्वामित्र, देवराट एवं औदल-वेद, ऋग्वेद-शाखा, आश्वलायन-**	37)पुरोहित, 38)छिरौरा, 39)मिश्र, 40)चकेरी, 41)वदौआ, 42)तोपजाने, 43)चन्दपुरिया, 44)वैसाँदर, 45)सुभावली और 46)चन्दसे।
5- धौम्य-गोत्र के **तीन प्रवर- काश्यप, आवत्सार एवं नैध्रुव-वेद, ऋग्वेद-शाखा, आश्वलायन -**	47)लापसे, 48)भरतवार, 49)तिलभने, 50)मोरे, 51)घरवारी (गृहवर्य), 52)जोजले, 53)सुकुल, 54)ब्रह्मपुरिया, 55)सोती।
6- दक्ष-गोत्र के **तीन प्रवर- आत्रेय, गाविस्थिर एवं पौर्वातिथि-वेद ऋग्वेद-शाखा आश्वलायन-**	56)ककोर, 57)दक्ष, 58)पेंचरे और 59)पुरवेऊ।
7- कुत्स-गोत्र के **तीन प्रवर - आंग्ड़रिस, यवनाश्व एवं कौत्स-वेद, ऋग्वेद-शाखा - आश्वलायन।**	60)सांडिल्य, 61)मेहारी, 62)खलहरे, 63)मरेठिया और 64)सन्तैरे।

नोट -

1- भारद्वाज गोत्र की कुलदेवी 'श्री चर्चिकाजी' हैं। वेद - सामवेद, राणायनी शाखा तथा गोमिल सूत्र है।

2- शेष छः गोत्रों - भार्गव, वशिष्ठ, सौश्रवस, धौम्य, दक्ष एवं कुत्स की कुलदेवी 'श्री महाविद्याजी हैं। वेद - ऋग्वेद - आश्वलायनी शाखा तथा गृही सूत्र है।

इसके अतिरिक्त ब्राह्मणों की उपजातियाँ अनेकों अनेक हैं।

वास्तु शास्त्र के सिद्धान्त- एक विवेचन

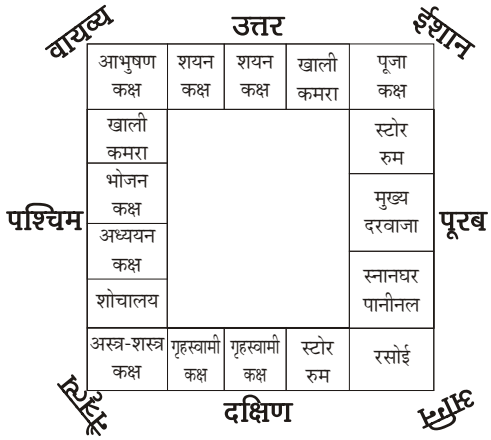

किसी भी भवन, कार्यालय, कल-कारखाने आदि में मध्य भाग को ब्रह्म स्थान माना गया है। ब्रह्म स्थान में जलकुण्ड, अग्नि, जनरेटर, सीढ़ियां, खम्भे और बीम नहीं बनाना चाहिए। ब्रह्म स्थान को खुला व खाली रखना चाहिए। ब्रह्म स्थान को हल्का व फर्स नीचा रखना चाहिए। उत्तर, पूर्व व ईशानकोण के आस पास जल स्थान होना चाहिए। ईशानकोण में बाथयम व रसोई कक्ष नहीं बनाना चाहिए। अग्निकोण में रसोईघर, जेनरेटर, बिजली का मीटर, मेन स्विच आदि बनाना चाहिए। दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार नहीं बनाना चाहिए। नैऋत्यकोण में गृहस्वामी का निवास, कार्यालय में चेम्बर, कारखाने में कच्चामाल व मशीने लगानी चाहिए। नैऋत्यकोण की फर्स ऊँची होनी चाहिए। प्रवेश द्वार उत्तर, पूर्व, ईशानकोण मे या अग्निकोण में दक्षिण की दीवाल पर बनाना चाहिए। कोई भी जगह आयताकार या वर्गाकार लेनी चाहिए। चौड़ाई के दोगुने से अधिक लग्बाई नहीं होनी चाहिए, अत्यधिक लम्बाई वाला स्थल शुभ फलदायक नहीं होता। टेढ़ी मेढ़ी या अधिक कोनों वाली भूमि पर भवन निर्माण या कार्यालय, कारखाने आदि का निर्माण नहीं करना चाहिए, ये औसतन हानिकारक या कम विकास कारक होते हैं। ऐसे स्थलों में रहने से सभी कार्यों में बाधाएं, मानसिक अशान्ति, सरकारी पक्ष से समस्यायें व आर्थिक हानि का योग बनता है। निर्माण कार्य में ईशान कोण व नैऋत्य कोण कटना नहीं चाहिए। ईशानकोण हल्का व नैऋत्य कोण भारी होना चाहिए। आग्नेय कोण व नैऋत्य कोण बढ़ा हुआ नहीं होना चाहिए। वायव्य कोण का हिस्सा बढ़ा हुआ नहीं होना चाहिए यदि वायव्य कोण का हिस्सा कटा हुआ हो तो उससे कुछ लाभ ही प्राप्त होता है।

सोते समय दक्षिण दिशा में सिरहाना रखना चाहिए इससे स्वास्थ्य उत्तम रहता है, पूर्व व पश्चिम दिशा में सिरहाना कुछ विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है परन्तु उत्तर दिशा में सिरहाना भूलकर भी नहीं करना चाहिए। सीढ़ियां वायव्य कोण या अग्नि कोण में बनाना चाहिए। ईशानकोण व नैऋत्यकोण में भूलकर भी नहीं बनाना चाहिए। बीम के नीचे न तो बैठना चाहिए और न ही सोना चाहिए। मुख्यद्वार के सामने बड़े वृक्ष या बिजली का खम्भा नहीं होना चाहिए। छत पर पानी की टंकी वायव्य कोण, नैऋत्य कोण अथवा पश्चिम की तरफ होनी चाहिऐ। शौचालय वायव्य कोण या अग्निकोण के आसपास बनाना चाहिए। पूजन कक्ष ईशानकोण में होना चाहिए एवं पूजा करते समय देवताओं का मुख पश्चिम में एवं अपना मुख पूर्व की दिशा में होना चाहिए। घर में अतिथि कक्ष एवं कारखाने में तैयार माल कक्ष वायव्य कोण में बनाना चाहिए। इस प्रकार संक्षेप में अधिक जानकारी देने का प्रयास किया गया है जिससे आप सभी लाभान्वित हों।

॥श्री गणेशाय नमः॥

द्वादश ज्योतिर्लिंग महिमा

भगवान शिवजी के बारह ज्योतिर्लिंगों की महिमा वास्तव में ऐसे ही अलौकिक है जैसे उन का स्वरूप। शंकर, शिव शंकर, महेश, भगवान महादेव आदि अनेकों नामों से आराधे जाने वाले भगवान शिव के 12 शिव स्थान इस प्रकार वर्णित हैं-

सौराष्ट्रे सोमनाथंच श्री शैले मल्लिकार्जुनम्।
उज्जयिन्यां महाकालमोंकारममलेश्वरम्॥
परल्यां वैजनाथं च डाकिन्यां भीमाशंकरम्।
सेतुबंधे तु रामेशं, नागेशं दारूकावने॥
वाराणस्यां तु विश्वेशं, त्रयंबकं गौतमी तटे।
हिमालये तु केदारं, घृस्णेशं शिवालये॥

बारह ज्योतिर्लिंग

यद्यपि पृथ्वी में विद्यमान लिंग असंख्य हैं तथापि प्रधान ज्योतिर्लिंग द्वादश अथवा बारह हैं। सौराष्ट्र में सोमनाथ, श्रीशैल में मल्लिकार्जुन, उज्जैयनी में महाकाल, विंध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर, हिमालय में केदार, डाकिनी में भीमाशंकर, वाराणसी में विश्वेष, गोमती तट पर त्रयम्बक, चिंताभूमि में वैद्यनाथ, अयोध्या के दारूक वन में नागेश, सेतुबंध में रामेश और देव सरोवर में घुशमेश। प्रातः काल उठकर इन 12 ज्योतिर्लिंगों का स्मरण वाचन करने से आवागमन के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। इन लिंगों की पूजा से सभी वर्णों के लोगों की मनोकामना पूरी होती है।

निवेदन

चतुर्वेदी परिचायिका कलकत्ता समाज के बन्धुओं से सम्पर्क एवं जानकारी के लिये आवश्यक तथा उपयोगी सिद्ध हुई। लगभग चार वर्षों के अन्तराल में पुनः परिचायिका का नवीनीकरण करने की आवश्यकता, बान्धवों के आवास में बदलाव, फोन व मोबाईल के नंबरों का अधिकांश बन्धुओं के पास आना। कलकत्ता सभा के सभापति श्री पी0 के0 चौबे ने मुझेसे परिचायिका का नवीनीकरण में सहयोग करने का आग्रह किया। मैं भी इसके नवीनीकरण की आवश्यकता महसूसू कर रहा था। भाई मोहन सूर्यकान्त, पुरा/रिषड़ा तथा भाई चतुर्भुजदास सी डी, चन्द्रपुर/लिलुआ दोनों ने तन मन खासकर पूर्ण व्यय वहन करने का आश्वासन दिया। हम तीनों की बैठक में तय हुआ कि परिचायिका अनूठी कुछ विशेष सूचना एवं रीति रिवाजों का समावेश लिये हो। बहुत कुछ बहनों से भी सुझाव मिले। हम सभी जानते हैं कि हमारे प्रचलित संस्कार रीति रिवाजों का ह्रास हो रहा है, यहाँ तक कि कईयों को गोत्र, प्रवर एवं अपनी कुल देवी का भी ज्ञान नहीं है। गाँवों के विकेंद्रित होने एवं शहरों में निवास के फलस्वरूप तथा समस्त संस्कार रीति रिवाजों एवं रस्मों को याद रखना तथा उनका समय समय पर प्रयोग में लाना प्राय लुप्त होगया / होरहा है। यही कारण है कि सामाजिक एकता भी ढ़ीली पड़ रही है। चतुर्वेदी समाज में विवाह में गुरूजी शाखोचार बोलते हुए वेद, शाखा, गोत्र, प्रवर एवं कुलदेवी का वर्णनकर हमारे गौरवमय अतीत का अहसास दिलाते थे। अब इसका भी अभाव शहरों में शादी विवाह होने से खटकता है। कुछ विशेष सुझावों को ध्यान में रखते हुए गौत्र, रीति-रिवाज संस्कार के साथ साथ चौक रंगोली अल्पना, आवश्यक गीत जैसे सिआ दोआ, कन्यादान, हरतालिका के उपलक्ष्य में गाये जाने वाले गीतों को परिचायिका में स्थान दिया गया है।

भाई मोहन सूर्यकान्त का सहयोग परिचायिका के आकार प्रकार में मुझे सहयोग मिलता रहा। लेखन में एवं गीतों आदि के समावेश करने में आदरणीय श्रीमती सुधा जी (मोहन की माँ) का आग्रह एवं गीतों का चयन सराहनीय रहा है। मुझे कहते हुये गर्व हो रहा है अभी बहिन सुधाजी को इन सबमें रूचि एवं जानकारी है। भाई सूर्यकान्त मोहन एवं भाई चतुर्भुज सी डी के योगदान की सराहना करते हुऐ आग्रह करता हूँ कि भविष्य में कलकत्ता के चतुर्वेदी भाई, नवयुवक अपने संस्कारों की रक्षा करते हुए बन्धुओं के सम्पर्क में रहेंगे और अपनी पहिचान को बनाये रखेंगें।

पालागन कर परिचय दियें, चरण छूये, आशीष लियें।
स्वागत कर, आदर दियें, चौबे, कहूं छिपाये न छिपें।।

सादर पालागन
रामेश्वर चतुर्वेदी
जहांगीरपुर/कलकत्ता
भू० पू० सभापति - कलकत्ता सभा

'संस्कारों का महत्व'

भारत देश की संस्कृति और जीवन शैली पूर्व से ही आदर्श पूर्ण रही है, और संस्कारों, रीति रिवाजो के कारण अन्य देशों से भिन्न है। संस्कारों का महत्व अन्य जांतियों में भी है परन्तु अन्य जातियों से भिन्न एवं श्रेष्ठतम संस्कार एवं जीवन शैली माथुर चतुर्वेदी समाज की रही है। आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता एवं जीविकार्जन के कारण मथुरान्तों का विकेन्द्रीयकरण एवं गाँवों से बड़े शहरों में पलायन, जहाँ उपयुक्त समझा वहाँ निवास करना आवश्यक होगया। इन्हीं कारणों से चतुर्वेदी बान्धव अपने समाज से दूर हो गया। अन्य समुदायों के लोगों के साथ रहने के कारण रहन सहन भाषा, खान-पान, रीति रिवाज और संस्कारों एवं रीति रिवाजों, रस्मों की जानकारी अधिक न होने के कारण इनके प्रति आस्था कम हुई तथा कुछ हद तक रीति रिवाजों एवं संस्कारों का ह्रास भी हुआ। परन्तु माथुर चतुर्वेदी समाज कुछ हद तक संस्कारों को जीवित रखते हुए, आवश्यक संस्कारों एवं रीति रिवाजो को प्राथतिकता देते हैं।

संस्कारों की संख्या के बारे में ऋषियों - मुनियों में मतभेद रहा परन्तु माथुर चतुर्वेदी समाज में ऋग्वेद के आश्वलायन के गृहसूत्र एवं सामवेद के गोभिल गृहसूत्र के समन्वय से संस्कार होते आए हैं। सोलह संस्कारों (षोड़श संस्कारों) का निर्वाह चतुर्वेदी समाज में किया जाता है। कुछ संस्कारों का एक साथ एक ही समय निर्वाह किया जाता है। द्विज समुदाय में शिशु का जन्म प्रथम माता के गर्भ से और दूसरा जन्म संस्कारों द्वारा होने के कारण भी द्विज ब्राह्मण कहा गया है। द्विज समुदाय में संस्कारों के कारण माथुर चतुर्वेदी को सर्वोपरि माना गया है।

संक्षिप्त में सोलह संस्कार निम्न हैं -

1- गर्भाधान संस्कार - गर्भाधान संस्कार को प्रथम माना गया है। मनुष्य शरीर का सूत्रपात उसके माता के गर्भ में आने से शुरू हो जाता है।

2- पुंशवन संस्कार पचमासा - माथुर चतुर्वेदी समाज में पुंशवन संस्कार को पचमासा का नाम दिया गया है। यह संस्कार गर्भमास के पाँच माह के भीतर किया जाता है। इसलिये इसका नाम पचमासा पड़ा है। गर्भस्थिति का ज्ञान हो जाने के दो या तीन माह में यह संस्कार होना चाहिये।

3- सीमन्तोनयन संस्कार चौक - इस संस्कार को माथुर चतुर्वेदी समाज में चौक के नाम से जाना जाता है। अपने समाज में चौक संस्कार गर्भ मास के आठवे माह के शुभ मुर्हुत में करने का रिवाज है।

4- जात कर्म संस्कार - यह संस्कार पुत्र जन्म के समय सम्पन्न किया जाता है, इस संस्कार को करने से माता के अनियमित एवं असुद्ध खान पान से उत्पन्न समस्त दोषों, जिसका कुछ न कुछ दुष्प्रभाव नवजात शिशु पर यदि हुआ होगा, वह समाप्त हो जाता है तथा नवजात के जन्म होते ही समय देखकर उसे नोट अथवा अंकित कर लिया जाता है। यही अंकित समय जन्म पत्र बनाने का आधार होता है।

5- नामकरण संस्कार - माथुर चतुर्वेदी समाज में अधिकांशतः यह संस्कार एक माह के हो जाने पर शुभ मर्हूतानुसार किया जाता है। यदि किसी कारणवश यह समय से सम्पन्न न हो पाये तो पहली वर्ष गांठ के दिन अवश्य कर लेना चाहिऐ।

नामकरण संस्कार से नव शिशु को स्वयं का बोध होना प्रारम्भ हो जाता है तथा उसे अपने अस्तित्व का अनुभव होने लगता है।

6- निष्क्रमण संस्कार - नवजात बालक को प्रथमबार घर से बाहर ले जाने को 'निष्क्रमण संस्कार' कहते है। जन्में बच्चों का शरीर अति कोमल होने के कारण वायुमण्डल के दुष्प्रभाव, अन्य किसी चीज के प्रभाव से शरीर का बचाव रखते हुऐ जच्चा व नव शिशु को कुछ समय के लिऐ घर के भीतर ही रखा जाता है। कुछ समय पश्चात् अच्छे महूत के दिन ही घर से बाहर निकलने को निष्क्रमण संस्कार नाम दिया गया है। माथुर चतुर्वेदी समाज में यह संस्कार, जो बालक विजय दशमी के बाद जन्म लेते हैं, उन्हें होली पर 'होली की झर' होलिका दहन दिखलाकर तथा जो बालक होली के बाद जन्म लेते हैं उन्हें दशहरा के दिन घर से बाहर किसी देव के मन्दिर में दर्शन करवा दिये जाते हैं यह संस्कार भी ग्रामों तक ही सीमित है शहरों में बच्चों का जन्म घर के बाहर अस्पताल आदि में होने के कारण यह संस्कार लुप्त प्रायः हो गया है।

7- अन्न प्राशन संस्कार जूठा - अन्न का जीवन से अभिन्न संबंध है। अन्न के बिना मनुष्य जीवित नहीं रह सकता। फिर भी नवजात बच्चों को अन्न जो ठोस आहार है, नहीं दिया जाता क्योंकि नवजात की आँते 5-6 माह में सशक्त हो जाने से कुछ ठोस आहार लेने लायक हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए छः ठवें माह में शुभ मुहुर्त के दिन स्वजनों, सम्बन्धियों के साथ अन्न प्रासन्न संस्कार जूठा का आयोजन करते हैं। माथुर चतुर्वेदी नवजात बच्चे को खीर चावल एवं दूध से युक्त तरल पदार्थ खिलाकर आयोजन सम्पन्न करते हैं। खीर सुपाच्य और सात्विक होने के साथ साथ देव पूजन, यज्ञ कार्यों में भी इसकी उपयोगिता है। धीर धीरे बच्चा ठोस आहार लेने लगता है।

8- चूड़ाकर्म मुण्डन संस्कार मुड़ाउन - मुण्डन का सम्बन्ध मस्तिष्क से होने के कारण बैदिक संस्कृत में इस संस्कार को विशेष स्थान दिया गया है। मस्तिष्क की रक्षा हेतु गर्भ में ही इसके ऊपर केशों का आवरण होता है। केशों के गर्भ में मैले हो जाना स्वाभाविक है। अतः गर्भ से प्राप्त केशों को निकालने से मैल आदि दूर होते हैं। सिर के रोम की स्वच्छता, रोम कुपों में स्वच्छ वायु प्रवेश, विचार शक्ति का उद्दीपन होता है। मुण्डन का प्रभाव मस्तिष्क के विकास एवं उन्नत करने में सहायक होता है। नवजात शिशु का सिर - त्वचा, अति कोमल होने के कारण यह संस्कार जन्म के तुरन्त बाद न करके एक बर्ष के भीतर सूर्य के उत्तरायण होने पर शुक्ल पक्ष में करना उचित माना गया है।

9- कर्णवेध संस्कार - छिदाउन - कान को छेदना मस्तिष्क के विकास से समबन्धित माना गया है। कान नाक आँख मुँह, इंद्रियाँ मष्तिस्क से जुड़ी होने से, मष्तिस्क से संचालित होती हैं। बालकों के कानों पर संस्कार के नाम पर कानों पर रोली - चंदन की बूंदें रख कर संस्कार का समापन किया जाता है। परन्तु बालिकाओं के कानों को पूरी तरह से भेदा जाता है। शायद कर्णभेदन के कारण ही बालिकाओं के कान नाक सम्बन्धित विकार व मष्तिस्क में उठने वाले विकृत विचारों में अधिक उग्रता नहीं दिखाई देती।

10- विद्या आरमभ संस्कार - पट्टी पूजन - विद्या आरम्भ के लिये कोई समय सीमा तय नहीं की गई। माथुर चतुर्वेदी समाज का ग्रामों में निवास होना तथा बालक के पूर्ण स्वस्थ, चलने फिरने, सुनने समझने का ध्यान रखते हुए पाँच वर्ष की आयु होने पर पास के विद्यालय में शिक्षक के पास बालक को पट्टी पूजन संस्कार सम्पन्न कर लिया जाता था। बालक का शिक्षक से परिचय करा कर पाठशाला में नाम लिखवा दिया जाता।

बालक शिक्षक को प्रणाम कर विद्या अध्ययन के लिये समर्पित होता था। अब तो बालकों की शिक्षा 2-3 वर्ष से स्कूलो में नर्सरी से ही प्रारम्भ कर दी जाती है इस संस्कार का शहरों में उतना महत्व भी नहीं रहा।

11- उपनयन या यज्ञोपवीत संस्कार जनेऊ - द्विज ब्राह्मणों में यज्ञोपवित संस्कार का विशेष महत्व है। जनेऊ धारक चाहे किसी भी प्रान्त में हो वह द्विज श्रेणी में माना गया है। माथुर चतुर्वेदी सर्वश्रेष्ठ ब्राह्मणों के श्रेणी में आते हैं। अतः चतुर्वेदी समाज में यज्ञोपवीत संस्कार का बड़ा महत्व है। इस संस्कार का महत्व कुछ हद तक माथुर चतुर्वेदी समाज में अभी भी विद्यमान है। बालक जनेऊ संस्कार के बाद ही द्विज श्रेणी में आता है और वेद अध्ययन - धार्मिक संस्कार, यज्ञ आदि करने का अधिकार प्राप्त करता है। चतुर्वेदी समाज में जिस प्रकार रीति रिवाज और संस्कार करने का विधान अन्य समुदायों से भिन्न है उसी प्रकार यज्ञोपवीत संस्कार को सम्पन्न कराने की कार्य प्रणाली भी अन्य समुदायों से अलग तरह की निराली एवं शानदार रही है। यज्ञोपवीत संस्कार की तैयारी भी लड़के के विवाह की तरह हुआ करती थी। अब इस संस्कार को लड़के के विवाह के एक दिन पहले जनेऊ पहनवाकर सम्पन्न कर लिया जाता है। चतुर्वेदी समाज में युवक के यज्ञोपवीत संस्कार होने पर जनेऊ धारण करने की अनिवार्यता है। इसीलिये यह संस्कार अभी तक विद्यमान है।
यज्ञोपवीत संस्कार के साथ ही तीन संस्कार जैसे वेदारम्भ संस्कार, केशान्त संस्कार एवं समार्वतन संस्कार सम्पन्न किये जाते है।

12 - वेदारम्भ संस्कार - यह संस्कार की प्रथा उस जमाने की हो जब समाज में शिक्षा के प्रति अधिक जागरूकता न रही हो। गुरूकुलों, आश्रमों में बालक को वेद पढ़ना, अन्य शिक्षा का ज्ञान संभव रहा हो। बालक के वेदारम्भ में गायत्रीमंत्र, वेदाभ्यास आश्रम जीवन शैली के अनुसार केषधारन करना, भिक्षा आदि लेना आदि कार्य करते हुए विद्यार्थी जीवन रहा होगा।

13- केशान्त संस्कार - नाम से स्पष्ट है केशो को सिर से निकाल कर सिर को स्वच्छ स्वस्थ रखना एवं आश्रमो - गुरूकुलों के नियमों में मुण्डन रहा होगा। गुरूकुलों में शरीर, सिर आदि को उपलब्ध जल से स्वच्छ स्वस्थ रखा जाता था। यज्ञोपवीत संस्कार के साथ ही बटुक का शिर मुंडन करके केशान्त संस्कार को रस्म पूरी कर ली जाती है।

14- समार्वत्तन संस्कार - इस संस्कार के करने से, गुरूकुल के विद्यार्थी जीवन समाप्त हो जाता है गुरूजी की आज्ञा से आश्रम के रहन सहन का परित्याग कर बालक शिक्षा पूरी कर पुनः ग्रहस्थ जीवन प्रारम्भ करने के लिए घर आकर अपने बड़ों का सत्कार कर, आर्शीवाद लेता है। अपने परिवार के साथ रहकर ग्रहस्थ जीवन के लिये पूर्ण तैयार हो जाता है। प्रायः देखा गया है कि माथुर चतुर्वेदी समाज में ऊपर दिये तीनों संस्कार यज्ञोपवीत संस्कार के साथ ही सम्पन्न कर लिये जाते है।

15- विवाह संस्कार - हमारे पूर्वज चतुर्वेदी ब्राह्मणों ने चारों वेदों- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अर्थववेद का सांग्ड़ो पांग्ड़ अध्ययन करके ही चतुर्वेदी उपाधि को ग्रहण किया था। चारों वेदों के महत्व को समझा। भारद्वाज एवं अन्य छः गोत्रों के वेद एवं शाखा अलग अलग होते हुए भी जाति के पुरूषों ने अति बुद्धविवेक से विवाह संस्कार की पद्धति सामवेदी और ऋग्वेदी दोनों यानी सातो गोत्रों एवं चौसठ अल्लों, जो चतुर्वेदी समाज में प्रचलित है, के लिये एक बना दी। विवाह संस्कार और पिता-प्रधान परिवार की व्यवस्था आज भी समस्त समाज में मान्य है। मानव प्राणी का पूर्णतय सामाजिक एवं सीमा में रहते हुए गृह जीवन का निर्वाह करना ही विवाह संस्कार का विशेष उद्येश रहा है। विवाह संस्कार को सम्पन्न करने में हमारा समाज अन्य जातियों से कुछ भिन्न हो रहा है। समय अभाव शहरों में निवास के कारण चतुर्वेदी समाज में भी विवाह संस्कार कन्यादान सप्तवदी, सात फेरे इत्यादि को सम्पन्न कराकर संस्कार की इति पूरति कर ली जा रही है। विवाह संस्कार के समय अपने समाज में एक विशेष आयोजन 'शाखोच्चार' का था जो अब शहरों में विवाह संस्कार के समय कम ही दिखाई देता है। शाखोच्चार एक जलसा ही है जो आवभगत मेल मिलाप, पालागन और जलपान के साथ सम्पन्न होता है। मुख्य उद्येश्य वर एवं वधू के गुरू जी बारी बारी से सामवेदी स्वरों से शाखोच्चार गायन करते, जैसे **'हरि ओम प्रयति पाणिः शंरण प्रपद्ये, स्वरित संवाधे, स्वभयन्तो अस्तु',** और वेद शाखा गोत्र प्रवर , कुलदेवी का वर्णन करते हुए हमारा सम्बन्ध ऐसे वेद वेत्ता ऋषियों से कराते हैं। शाखोच्चार को ध्यान से सुनने पर मन एक सिहरन आनन्द और स्फूर्ति से ओत प्रोत होने के साथ गर्व महसूस करता**,** कि हम चतुर्वेदी हैं।

16- अंन्तेष्ठी - मरणोपरांत संस्कार - इस नस्वर संसार में कोई भी वस्तु चल अचल जीव एवं मनुष्य प्राणी भी स्थाई या अमर नहीं है। मृत्यु एक ध्रुव सत्य है सभी प्राणी इस सत्य से अवगत हे कि पंच भूती शरीर से जीवआत्मा निकल जाने के बाद नीर्जिव शरीर की नष्ट प्रक्रिया स्वतः प्रारम्भ हो जाती है इसलिये मानव जाति अपनी संस्कृति एवं धर्म के अनुसार अंत्येष्ठी संस्कार अपने अपने स्नेही / प्रियजनों एवं स्वजनों के साथ संम्पन्न करते हैं।

माथुर चतुर्वेदी समाज में मृत्यु हो जाने पर उसके घर वाले कुटुम्बीय, समबन्धी तथा समाज के बन्धुओं की उपस्थिति में गंगा किनारे अथवा नियत स्मशान स्थान पर चिता तैयार कर दाह संस्कार करते हैं। संस्कार कर्ता पिंण्ड दान करता है। शव को चिता पर रख कर पिण्डदान करता है। चिता पर रखे शव की परिक्रमा कर सिर की ओर मुखाग्नी देता है। इस संस्कार में कपाल क्रिया का विशेष महत्व है। जीवन में सारे क्रिया कलाप, विचार, जीवन - दिशा निर्देशन का केन्द्र स्थल कपाल ही है अन्त्येष्ठी करने के बाद चिता ठंडी होने पर फूल चुनना उसको जल में प्रवाहित करना, रीति के अनुसार दाह कर्ता द्वारा 10 दिन तक पीपल वृक्ष पर हांड़ी में जल भर कर जल चढ़ाना, दीपक मृत आत्मा के नाम से करता है। दशवें दिन सुतक शुद्धीकरण दिन देखकर सोमवार, बुधवार या शुक्रवार, इन दिनों में ही सुतक क्रिया सम्पन्न कराना उचित माना गया है।

तत्पश्चात् ब्रह्म भोज - श्राद्ध कर्म किया जाता हे जो 11 वें दिन किया जाता है कहीं श्राद्ध कर्म 12 वें दिन और कहीं 13 वें दिन होता है। हमारे समाज में मृत्यु शोक 1 वर्ष तक माना जाता रहा है। एक वर्ष तक शुभ कार्य भी वर्जित रहा है इस प्रकार चतुर्वेदी समाज में षोडश सोलह संस्कार रीति रिवाज के साथ सम्पन्न करने का प्रावधान है। ***इति***

कन्यादान

वैसे तो गीतकार ने कन्यादान के अवसर के लिये यह गीत रचा था, किन्तु उसके अतिरिक्त, लगुन के दिन से आग्यौनी के दिन तक, नित्य इसकी आवतृत्ति की जाती है। गीत श्रीराम-सीता विवाह-घटना पर आधारित है। शब्द, रचना, भाव आदि देखते ही बनते हैं। गीत की लय मानों करुणा-सरित की प्रवाह-धारा ही है। **'हो रामा'** की टेक से प्रत्येक कड़ी प्रारम्भ होती है। गीत है- **हो रामा**

कन्या जाँईं राम हो पाँईं तब यह यजन सँजोयौ।
यजन सँजोयौ दशरथ जू के ढ़ोटा, ज्यों जन-लोग सिहाई।

और सिहाने वालों, प्रशंसा सुन कर प्रसन्न होने वालों, में स्त्रियाँ यहाँ घर-कुटुम्ब के मृत पुरूषों के नाम ले- लेकर मानों कल्पना को प्रत्यक्ष ही कर देतीं हैं। और फिर अगली पंक्ति में -

ब्याह सँजोयो अमुकिचन्द्र , दुनियाँ तमासें आई।

यहाँ (अमुकिचन्द) के स्थान पर कुटुम्ब के सभी जीवित व्यक्तियों के नाम लिये जाते हैं, जिनका विवाह-कार्य में पूर्ण और सब तरह का योग रहेगा। इस प्रकार नाम-लिये-हुये सात से भी अधिक पीढ़ी के मृत पुरूषों की प्रसन्नता के हेतु, नाम लिये हुए जीवित घर-कुटुम्बियों ने जो विवाह का आयोजन किया है, गीत उसके ब्यौरे का वर्णन करता है -

गिरि पर्वत के खंभ मँगाये, रोपे हैं सीय-दुआरा।
खम्भन खम्भन दियल उजेरौ, जग-मग जोति सुहाई।
हरे-हरे वाँसन मँडपु छवायौ, नगवेलि गूँथि लगाई।
हरे-हरे गोबरू अँगन लिपायौ, गज-मोतिन चौक पुराई।
कूँभ-कलिस अमिरत भरि धरियौ, ऊपर अतवा की डार।
पियरी सी माँटिन वेदी हो राची, अम्ब की समध मँगाई।
वेदिन रचेहु पमारनि केरा, राव बटरे-सिल देऊ।

और अब इस प्रकार यज्ञ-मण्डप व यज्ञ-वेदी विवाह-हेतु समस्त आवश्यक वस्तुओं के साथ प्रस्तुत हो गयी, तब गीत मुख्य-विषय-कन्यादान की क्रिया-पर आता है -

तेहि सिल बैठीं लढ़गहिली अमुक दे, उढ़रि-पुत जोंरे होई।
सोहे लढ़गहिली के करिहा पटोरे, उढ़रि-पुत पियरी सी धोती।

सीता जी के द्वार परख यहाँ विवाह-गृह के द्वार पर अर्थात् कन्या के द्वार पर। पान से बनी वन्दन-वार। कुम्भ का कलश, घड़ा। अमृत-भरा। आम का टोंहा। आम की समिधा, हवन के हेतु। सिल-लोढ़ा अश्मारोहण के हेतु। यहाँ कन्या का नाम लिया जाता है। छिनाल का पुत्र, दूलह के लिये उपालम्भ-शब्द। पास, पार्श्व में। कमर से पहनने का रेश्मी वस्त्र।

सोहे अमुकिया के हाथ गड़ुअरा, अमुकिचंद कुश की डार।
कम्पन लाग्यौ हाथ कौ गड़ुआ, कम्पी है कुश की डार।

माता-पिता के हृदय और हाथ काँप उठे। जो जन्म से लाढ़ में पाली पोशी थी, आज इस समय अपना समस्त स्वत्व छोड़ कर, इस कन्यादान-कृत्य से, सम्पूर्णतः दूसरे को सोंपी जा रही है। मानो घबड़ाये माता पिता को धैर्य देती हुयी कन्या ही कहती है -

अब क्यों कम्पौ मेरे समरथ बाबुल, भई है धरम की बेला।
धरम-इ-धरम प्रकटियौ बाबुल, जिनि कोई बोलै पापी।
पापी होइ सो उठि घर जैओ, धरमी मंडप माँझ।
चन्द्र-ग्रहण नित होइ मेरे बाबुल, सुरज-ग्रहण नहिं होई।
गउअ कौ दानु नित होइ मेरे बाबुल, धिय कौ दानु दुहेतू।
गउअ कौ दानु पुरोहित दीजै, धिय कौ दुलह दमादू।

सच है संसार और गृहस्थ का यही मार्ग है, यही धर्म है। पुत्री दान में दिये जाने के हेतु गृहस्थ-घर में जन्म लेती है। जैसे स्वयं कन्या ही विचलित माता-पिता को धर्म और नीति का स्मरण करा कर उनकी मनोव्यथा कम करती है। फिर, गीत में, कन्या अपने माता-पिता से वचन माँगती है -

एक वचन हम माँगे मेरे बाबुल, फागुन करहु बिआहू।
भात न बूसे, गोतु न रूठै, दहिअ न अमिल होई।

कन्या की माता का नाम लिया जाता है। जल की झाड़ी। कन्या के पिता का नाम लिया जाता है। माता पिता अथवा जो भी कन्यादान कार्य सम्पन्न कर रहे हों। समय। मत, वारण सूचक 'न'। पुत्री। दुहेतू के अर्थ के लिये देखिये पृष्ठ 210। विवाह। सड़ना। परिवार के लोग। गुस्सा होना, कुढ़ना। दही। खट्टा। और साथ ही कन्या की बुआ फूफी अपने भाई कन्या-पिता से -

दुसरौ वचन हम माँगे वीरन जौ तुम कान-धराऊ।
लीलौ सौ घुड़िल, कजरिया बाँकौ फूँद-फुँदारा बाकी बाग।
सो लै देउ लड़िलरी के दुलहा, विहँसत चलइ जमाई।
तिसरौ वचन हम माँगे वीरन, जौ तुम कान धराऊ।
खुटियाँ तुराओ नानुजअ गढ़ाऔ, विहँसत चलइ जमाई।
और इस प्रकार हृदय-कँपा कर कन्यादान का कार्य सम्पन्न हुआ।

विवाह कार्य की समाप्ति पर, ध्रुव दर्शन करके -

ध्रुव की तरैया जब औझप देखी, तब धिय देति असीसा।
'खइयौ पीजौ मेरे आजुल बाबुल, जीजौ लाख बरीसा।'

और दर्शकों का भी आर्शीवाद है कि नव-विवाहित दम्पति सुख-सौभाग्य-समृद्धि आदि के स्वामी हों। फिर भी माता पिता के हृदय में एक लकीर सी दिखाई देती है -

घर की खिलौना मैंने दई है लड़ियरी, तउअ न ठगुपति होई।

और उपस्थित-व्यक्तियों के नयनों का जल आँचल में, और माता के हाथ की झाड़ी से अनवरत, न टूटनेवाली, धार से गिराया हुआ जल कन्या-दाता, कन्या एवं ग्रहण कर्त्ता श्रीवर के हाथों को भिंगोता हुआ, तले रक्खी कन्यादान की परात में एकत्र होता रहता है। टप टप

भाई। सुनो। तेलिया-कुम्मेत। फुँदना-लगी। लगाम। दामाद।

गोरी बाँस बिरग की

बाँस बिरछ से निकरी गौरी, अंग पतर मुख भम्भर भोरी।
के महिं देखी है उड़नि वियारा, के महिं देखी है सींय दुआरा।
निकरत देखी ***(मायके के पुरखों के नाम)*** पुरिखन द्वारा,
पैठत देखी ***(ससुराल के पुरखों के नाम)*** सब पुरिखन बारा।
निकरत देखी जनक दुआरा, पैठत देखी दशरथ बारा (जिवतों के नाम)
एक सदा तेरो ससुर पुजावै चौक बईठत अगर गढ़ाने।
और सदा तेरो जैठ पुजावे चौक बईठत छतुर तनावे,
एक सदा तेरो देवर पुजावे चौक बईठत बैन बजाने।
बेन नगमुंदरी होपावे, लोहरी दौरनिया को ले पहिरावे,
एक सदा बाको नाँह पुजावे, नह सुत छोड़ बिजोरो खबाबे,
और सदा तेरी सास पुजावे चौक बईठत गोविस सुँणावे।
और सदा तेरी दौरानी पुजावे, चौक बईठत विजनी डुलावे।
और सदा तेरी ननद पुजावे, पर घर सिवंई नोत जिवावे।
और सदा तेरी माँय पुजावे, गढ़ मुड़ बैठी छिनरिया गिदोंरा हो बाँटे।
और सदा बाकी भाभी पुजावे, छज्जे पे बैठी कमिया रंगावे।
और सदा तेरो बबुल पुजावे, सराफ के बैठो भड़आ मोहरे भनाबे।
और सदा तेरो बिरन पुजावे, रंगरेजा के बैठो भडुआ घाट रंगावे।
काहे को पलंग काहे के हे पाये, सोनो को पलंग रूपे के हे पाये।
द्वै जने बिल सहे रतन जड़ाए, कौन नक्षत्र जह गौररि न्हाई, कौन नक्षत्र जह सेंज बिछाई।
न्हाई धोय जब मंदिर आई सास ननद मिल जिरुला पिआयो।
जिरुला के संग सेंदुर की है पुरिया पूजी अमुक कुवर तुम्हारी हो ररिया।
पहलो री मास जह जात न जानों, दुसरो री मास फुलझरियन लागो,
तिसरो री मास थुक थुकयन लागो, चोथेरी मास पिय पूँछी है बाता,
गोररि तेरो गोरो है अंग कै तेरी कोख सिदौरा हो फूले कै तेरी कोख रतन फूल लागो,
अहे-2 नाँह लजाब हो मोही बेस चढ़त मेरो गोरो है अंग।
पचये री मास पंच मास हो कीजे, लीलो सो कांजुअरो ले पहि राइये।
छटये री मास छट मासो हो कीजे अमुक कवर के नैहर पाती हो दीजे।
हँसि हँसि बाबुल पाती हो बाँचे, बिहँसति माय गिदौरा हो बाँटे।
समयेरी मास सत मासो हो कीजे रातो रंमाटो जहि ले पहिरइये।
अनगन मास को नाम न लीजे पर घर गोररि जान न दीजे।
ये नव ये दस पूरे हैं मासा पूजी अमुंक कुंवर तुम्हारी हो आशा।
आस पूजी बहू बेटा हो जाओ। अपने ससुर को री वंश बढ़ायो भडुआ बबुल कोरी नाम लिवायो।
सोने की तकुरिन कातो है सूतू अमुंकीचंद ने जाओ है पूतू। छुटनी अमुंक कुंवर ने रोप्यो है वंश।

ओल पनीछा की गोरी

एक सदा बाको ससुर पुजावे तो चौक बैठत दिअल उतारे ये राठोरी झालर भावे।
एक सदा बाको जेठ पुजावे तो चौक बैठत छतुर तनावे। ये राठोरी
एक सदा बाको देवर पुजावे तो चौक बैठत बेन बजावे। ये राठोरी
एक सदा बाकी सास पुजावे तो चौक बैठत फरबिलोये उतारे। ये राठोरी
एक सदा बाकी जिठानी पुजावे तो चौक बैठत गुबस सुंधावे। ये राठोरी
एक सदा बाकी ननद पुजावे तो चौक बैठत सिंभई खवावे। ये राठोरी
एक सदा बाकी माय पुजावे तो गड़मुढ़ बैठ गिदौरा पथावे। ये राठोरी
एक सदा बाको बबुल पुजावे तो चौक बैठत मोहरे भनावे। ये राठोरी
एक सदा बाको बिरन पुजावे छिपियरे के बैठो भडुआ घाट रंगावे। ये राठोरी
एक सदा बाकी भाभी पुजावे तो चौक बैठत कमिया रंगावे। ये राठोरी

साद

देवरिया बड़ो टकसाली ये भाभीजी,
मेरो हँस-हँस घूंघट खोले ये भाभीजी।
मोसे मुरक-मुरक बतरावै ये भाभीजी,
जाय पहलो मास जब लागो ये भाभीजी।
तब हो पिय जात न जानी ये भाभीजी।।
(इसी तरह सभी महिने)

जापे के गीत व सोहर

धौर

आजहूँ न धोरो न जागये गोतो न साप जे,
आजहूँ न नार न छेवये तो पुरहिन पालरे
नार ना छेवये तो जीतन रन चले
देवये पहिर पटोरो जसुमति माँ को न।
कंधर रण जीत आये तो करहुँ बधामना।
धोरये जह कुर छबाये नगबेल गूँथ दे।
धोरये बसरी है बींध तो साँझ छबाये नगबेल गूँथ दे।
धोरये बसरी है बींध तो साँझ गहेलरी।
ते है रे उठंगे वे राम रामचन्द्र धन सोर बीवबे
जो धन पूत जनावहुँ अगर गढ़ाइहो
सो मन नथ गढ़ाबहि रूपे की पाँखुरी।
हम पिय पूत जनावहिं तुम न गढ़ाहियो।
जो न पती जये गोरी (लक्षमन) साख दे
दशरथ धोर गुंसाई तो रामचन्द्र गाह के (सबके नाय)
बाँईर आँख बिसूरहि तो दहिनी परि हँसे
कौशल्या पूत जनावहि सोहर रुर मिले।।

खिचड़ी छोटी

पिय मोहि खिचड़ी की साद सलौनी खिचड़ी।
धन चाउर महंगे है गये और बड़े मोल की दार सलौनी खिचड़ी।
धन इतनो सबद सुनि उठि चली और गई है देवर दरबार सलौनी खिचड़ी।
भाभी काहे ठाड़ी अनमनी और काटे बदन मलीन सलौनी खिचड़ी।
देवर जाउर मंहगे है गये और बड़े मोल की दार सलौनी खिचड़ी।
भाभी चाउर मोल मंगाय हो और बड़े मोल की दारि सलौनी खिचड़ी।
कोई भोर भयो पौ फाटियो और होरिल सबद सुनायो सलौनी खिचड़ी।
कोई बाहर बजत बधाईया घर भीतर मंगल चार सलौनी खिचड़ी।

गंगाजी

बहती है निर्मल धार हे गंगेमात तुम्हारी,
हे गंगेमात तुम्हारी महिमा है सबसे न्यारी,
शोभा है अपरम्पार हे गंगेमात तुम्हारी।।टेक
जो तुममे नित्य नहाबै, सुख संपति सब कुछ पावै,
हो जाये भवसागर से पार।। है गंगेमात
यमराज खड़ा घबड़ावै ये खाली नरक पड़ा है,
खुल गये स्वर्ग के द्वार।। हे गंगेमात
जो तुमसे प्रेम बढ़ावै, शिवजी की भक्ति पावै,
हो जाय भवसागर से पार।। हे गंगेमात

तेरो दरस मोहि भावै री जमुना।।टेक
वृन्दावन के निकट बहत हो, लहरन का छवि भावै री जमुना।। तेरो
दुःख हरनी सुख करनी री जमुना, जो कोई नित्य नहावै री जमुना।। तेरो
न्हाय धोय जपै जल भीतर, छुटेगी जम फाँसी री जमुना।। तेरो
सूरज की एक कन्या कुँआरी, पटरानी कहलाई री जमुना।। तेरो
बैठ पाताल कालीनाग नाथो, कालिन्द्री कहलाई री जमुना।। तेरो
चन्द्रसखी भज बाल कृष्ण छवि, बिमल-बिमल जस गाये री जमुना।। तेरो

कार्तिक माह के गीत

जागिए रघुनाथ कुँवर पंछी वन बोले।।
चंद्र किरण शीतल भई, चकई प्रिय मिलन गई
त्रविधिमंद चलत पवन, पल्लव द्रुम डौले।। जागिए
प्रात भानु प्रकट भयो, रजनी को तिमर गयो
भ्रंमरगुंज करत गान, कमलन-दल खोले।। जागिए
ब्रह्मादिक धरतध्यान, सुरनर मुनि करतगान
जागन की बेर भई, नयन पलक खोले।। जागिए
तुलसीदास अति आनन्द, निरखि के मुखारविन्दु
दीनन को देत दान, भूषन अनमोले।। जागिए

उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है।
जो सोवत है सो खोवत है, जो जागत है सो पावत है।।टेर।।
टुक नींद से अंखियाँ खोल जरा, और अपने प्रभु में ध्यान लगा।
यह प्रीति करन की रीति नहीं, प्रभु जागत है, तू सोवत है।।1।।
जो कल करना है वो आज करले, जो आज करना है वो अब करले।
जब चिड़िया ने चुग खेत लिया, फिर पछताये क्या होवत है।।2।।
नादान युगल कर अपनी करनी, ऐ पापी पान में चैन कहाँ।
जब पाप की गठरी शीश धरी, अब शीश पकड़ क्यूँ रोवत है।।3।।
उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है।

तेरो दरस मोहि भावै री जमुना।।टेक
वृन्दावन के निकट बहत हो, लहरन का छवि भावै री जमुना।। तेरो
दुःख हरनी सुख करनी री जमुना, जो कोई नित्य नहावै री जमुना।। तेरो
न्हाय धोय जपै जल भीतर, छुटेगी जम फाँसी री जमुना।। तेरो
सूरज की एक कन्या कुँआरी, पटरानी कहलाई री जमुना।। तेरो
बैठ पाताल कालीनाग नाथो, कालिन्द्री कहलाई री जमुना।। तेरो
चन्द्रसखी भज बाल कृष्ण छवि, बिमल-बिमल जस गाये री जमुना।। तेरो

तुलसी जी का विवाह - छोटा

आसाढ़े उजिसारी तीज। जै गोविन्दा जै गोपाल
लहर बोओं रानी तुलसा के बीज।। जै गोविन्दा जै गोपाल
बोबउ जोतउ करउ कियारी। उपजो तुलसा कृष्ण पिआरी।
सावन तुलसा पात द्वै पात।। जै गोविन्दा जै गोपाल
भाद्रों तुलसा हरी घनेरी।। जै गोविन्दा जै गोपाल
कुवांर में तुलसा कन्या कुआँर। कार्तिक तुलसा को रचो है विवाह।।जै गोविन्दा
हँसि हँसि राधारानी पूछें बात। जै गोविन्दा जै गोपाल
एड़िया महावर किस विध आज। जै गोविन्दा जै गोपाल
तुम तो राधारानी भई हो बावरी। हम तो गये बगीचन मांझ
मेंहदी को पात मेरी एड़ियन लाग। जै गोविन्दा जै गोपाल
हँसि हँसि राधा रानी पूँछे बात। माथे तिलक किस बिध आज। जै गोविन्दा जै गोपाल
तुम तो राधारानी भई हो बाबरी। हम तो गये खेलन आज
बम्मन बेटा तिलक लिलार।। जै गोविन्दा जै गोपाल
हँसि हँसि राधारानी पूंछे बात। नैनन काजल किस बिधि आज।। जै गोविन्दा जै गोपाल
तुम तो राधारानी भई हो बाबरी। हम तो गये पढ़न चटसार
स्याही की अंगुली मेरे नैनन लागी। जै गोविन्दा जै गोपाल
हँसि हँसि राधारानी पूंछे बात। हाथ मे कंगंन किस विध आज
तुमतो राधा रानी भई हो बाबरी। हम तो गये खेलन आज
बम्मन के बेटा राँखी बाँधि।। जै गोविन्दा जै गोपाल
हँसि हँसि राधारानी पूंछें बात। पियरे कपड़े किस बिधि आज।।जै गोविन्दा
तुमतो राधारानी भई हो बाबरी। धोबिन कपड़े बदले आज।। जै गोविन्दा जै गोपाल
दौड़ि-दौड़ि गई राधेरानी धोबी पास। कृष्णा के कपड़े किस बिध बदले।। जै गोविन्दा
तुम तो राधारानी भई हो बाबरी। तुलसा श्री कृष्णा रचो है बिबाह।। जै गोविन्दा
दौड़ी-दौड़ी राधा प्यारी घर को आई। दे लऐ राधा प्यारी झझन किबाड़।। जै गोविन्दा
तुलसा श्री कृष्णा ऊबे द्वार। खोलो राधारानी झझन किबाड़
हम नहि खोले झझन किबाड़। जै गोविन्दा जै गोपाल
तुम तो जाओ रानी तुलसा के पास। तुलसा श्री कृष्णा रचो है विवाह।। जै गोविन्दा
कँवारी गावैं घर वर पावैं। तरुणी गावैं पुत्र खिलावे
बूढ़ी गावैं बैकुंठ से लौट नहि आवैं।। जै गोविन्दा

हरतालिका तीज का अर्ग

बेल बिजोरौ नारियरो टन टारियरौ, वे देती गौरन दे अर्ग। देने वाली का नाम।
अर्ग दईय वर माँग लिये महादेव जासु भरतार पति का नाम
दे मेरी गौरा रानी सोंजु बरो जो तारे सब परिवार।
दे मेरी गौरा रानी औढो दे अहिवात।
दुर-हुर दुर-हुर मैं भयो गौरन दे बैठी न्हाय।
माथे केवरो रानी सिर गूंथे सुहागिल जबाब न देई।
एड़ियाँ महावर रंग मगो जिनके सिरह कुसूमिल घाट।
हाथ मेहँदुली रंग राचनी उनको गोद जरुलो पूत।
महादेव राव बढ़े वे निश बढ़े उनके धन बहुतेरो माल घनेरो होय।
गौरन दे की पटियाँ जिन ऊदो सो सिन्दुरा जिन मैलो होय।
गौरा रानी माँगो एक बरदान।
हारो नियरो दुःख दारिद्री पर गुद्वियरो परचित्तियरों।
गौरा से मत देऊ भरतार।
नीले से हाँसुला राजा वे चढ़ें सब पंचन में प्रधान।
हाँसिऐ चिन्तिऐ कैसे हँसुला टपकियो।
मैं मगरे मछरे सूती ड़ाग डगोरा है।
लख तोरा ये पाती ये शंकर सिरे चढ़ाइयो।
मैं माघ मास के न्हायें माधो पाइयो।
जो न्हायें फल होय सो मन इछियो।
हाथ कलाई कंगन चूँनर ओढ़ना।
हिये नौ लाख हार पाइ दश अँगुरी।
जाहि जुही को फूल समद को पनियाँ।
महादेव पति का नाम से भरतार गौरन दे रानियाँ देने वाली का नाम
सात अंगुल पानी वे राजा वे रानी।

पुंसवन-सीमन्तोन्नयन चौक

वैदिक सनातन धर्मानुसार जो जीव माता के गर्भ से आता है तो जीवात्मा को शरीर की प्राप्ति माता के रज एवं पिता के वीर्य से होती है। अशुद्ध अवस्था से शुद्ध स्वरूप की प्राप्ति के लिए है हमारे ऋषियों ने संस्कार का विधान अपोरूपेय वेदों के आधार पर किया है हमारे ऋषियों ने संस्कार का विधान अपोरूपेय वेदों के आधार पर किया है। इन्हीं संस्कारों के क्रम में पुंसवन-सीमन्तोन्नयन जिन्हें हम लोग भाषा व्यवहार में चौक कहते हैं। यह महत्वपूर्ण संस्कार जिसकी विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

1- यह संस्कार जीव शिशु के गर्भ आने के उपरान्त एवं जन्म से पूर्व छठे-आठवें माह में किया जाता है। जिससे गर्भ में शिशु को बल प्राप्त होता है।

2- जैसे पुंसवन संस्कार के अन्तर्गत दही-काले उड़द एवं जौ का सेवन कराना दुर्वा घास पीस कर वधू को सुंघाना इन्हीं क्रियाओं के द्वारा शिशु को बल प्राप्त होता है।

3- इसी संस्कार में वैदिक मंत्रों के द्वारा हवन में आहुतियां दी जाती हैं जिससे देवता तो प्रसन्न होते ही हैं साथ में वधू जब पति के साथ हवन कर्म में बैठती है तो हवन से जो ताप उसके गर्भ को प्राप्त होता है बाद में मार्जन किया जाता है। इस क्रिया का प्रभाव प्रसूति काल में विशेष फलदायक होता है।

4- इसी क्रम में वीणावादन शंखवादन क्रिया गर्भवती स्त्री के कान पर की जाती है। इसका रहस्य यह है िक जो बालक गर्भ में सुसुप्ति अवस्था में है उसकी चेतना इन मधुर वाद्यों द्वारा जाग्रत होती है।

5- साथ ही रूसामनी रूठना-मनाना कमियांफर चना फर बिलोये ओलपनीछा-सेहें के कांटे वर द्वारा वधू की मांग भरना आदि व्यवहारिक क्रियाएं भी हैं जिनका अपने आपमें विशिष्ट स्थान है। अतः वैदिक संस्कार और लोक व्यवहार के समिश्रण से पिता-माता एवं गर्भस्थ शिशु इन सभी के लिए उज्जवल भविष्य की आधारशिला रखी जाती है। जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक एवं आध्यात्मिक लक्ष्य की प्राप्ति सुगमता से प्राप्त कर मानव देह प्रप्ति का जो मुख्य लक्ष्य है अपनी आत्मा के द्वारा परमात्मा की प्राप्ति- यह लक्ष्य सफल होता है। बालक को संस्कार वान बनाने के लिए माता-पिता को सुसंस्कारी होना चाहिए। गर्भिणी प्रसन्न रहे द्वेष, इर्ष्या, क्रोध मनोविकारों से बचती रहे। परिजनों का भी दायित्व होता है कि गर्भिणी को हर प्रकार से प्रसन्न रखने की चेष्टा की जाये।

चौल संस्कार

वैदिक सनातन धर्म अनुसार चौल संस्कार मुण्डन एक महत्वपूर्ण संस्कार है। इस संस्कार के अन्तर्गत गणपति-मातृका पूजन-नान्दीमुख श्राद्ध, छटी-कर्म विधिविधान पूर्वक किया जाता है। लोक में तो कहा भी जाता है कि मुड़ाउन की माँये सबसे बड़ी होती हैं। 16 माँये छटी में तथा 16 माँये मातृका पूजन में रखी जाती हैं। बच्चे के जन्म के बाद अपने-अपने कुल की मान्यता के अनुसार बच्चे की माँ छोड़ावाड़ी करती है जैसे पान बतासा, बैंगन, पत्तल, मीठा, खट्टा, अलता, सिंदूर आदि इन्हीं चीजों को छटी पूजन पानी नागों की पूजा के बाद छिरक कर खाना शुरू करते हैं। इस प्रकार माँ खाने पीने के परहेज से शिशु को कई रोगों से बचा लेती है।

इसी क्रम में बालक का केश माता के गर्भ से बालक के मस्तक पर है उसी अशुद्धि की शुद्धि से संबंधित है। जब तक चौल संस्कार नहीं होता तब तक उपनयन आदि संस्कार का अधिकार प्राप्त नहीं होता।

अतः शूद्रत्व से द्विजत्व की प्राप्ति में यह मुख्य संस्कार है- जब तक चौल मुण्डन नहीं होगा तब तक उपनयन अर्थात् यज्ञोपवीत - गायत्री, वेदपाठ का अधिकार प्राप्त नहीं होता। शास्त्र के अनुसार यज्ञोपवित होकर गायत्री के जप के अधिकार से इसी दूसरे जन्म को द्विज शब्द से संबोधित किया जाता है।

'द्वाभ्यां जन्म संस्काराभ्यां जायते इति द्विज'

द्विज जब ही होगा जब चौल 'मुण्डन' होगा अतः शूद्रत्व से द्विजत्व के मध्य का सेतु है 'चौल संस्कार□

आली चौक

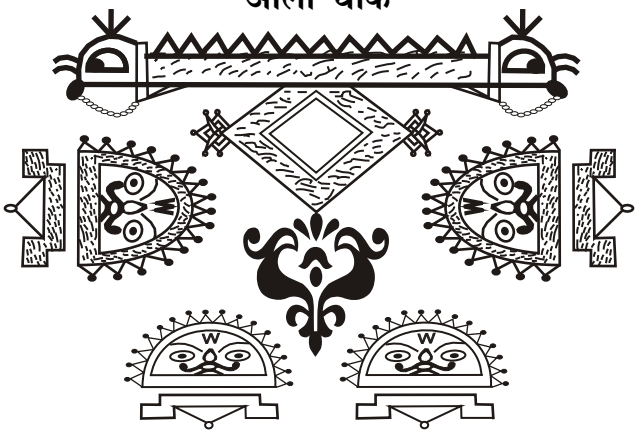

(देहरी पर, जन्म दिवस एवं विवाह पर लगता है)

प्रस्तुत चौक गोबर एवं हल्दी से भूमि को लीपकर आटे द्वारा बनाया जाता है। लड़कों के जन्म दिवस एवं विवाह पर यह चौक मुख्यत: लगाते हैं। यह चित्र मंगल एवं दीर्घायु की कामना से प्रेरित है। ये चौक सदैव घर की देहरी पर ही लगता है।

लड़के के ब्याह का आली चौक

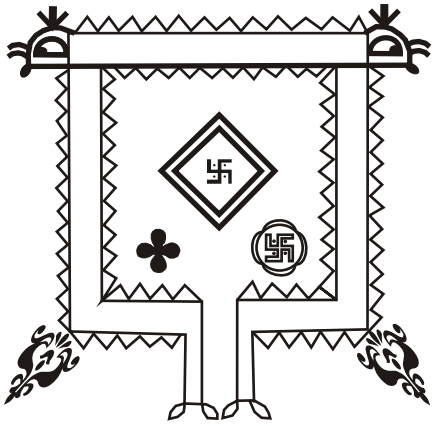

मांगर व लगुन के दिन देहरी से घर के आंगन की ओर तक के स्थान को लीपकर आटे से लगाया जाता है।

लड़की के ब्याह का आलीचौक

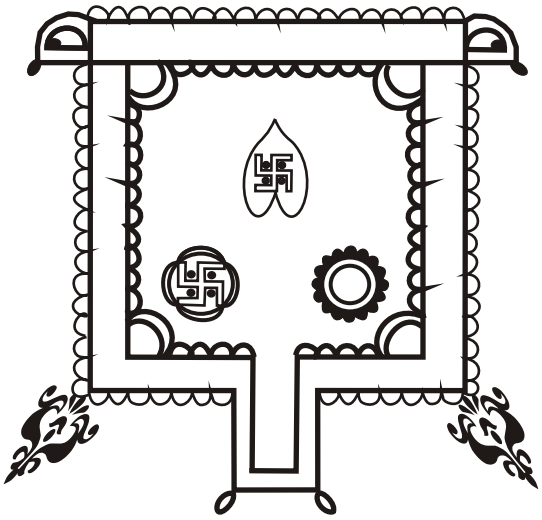

मांगर के दिन देहरी पर से घर के आंगन की ओर के स्थान को लीपकर आटे से लगाया जाता है।

माँए शादी की

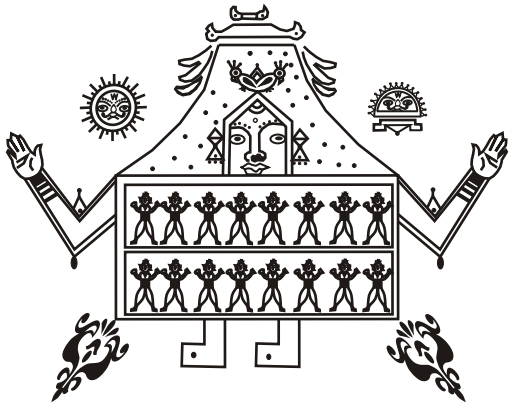

माँए को 'मातृकाएँ भी कहते हैं। ये पुरखों के नाम की मातृपूजा है। जब भी घर में कोई शुभ कार्य होता है जैसे - मुण्डन, जनेऊ, ब्याह आदि ये दीवार पर भीगे हुए चावलों को पीस कर एवं उसमें हल्दी मिलाकर (ऐपन) रखी जाती है और परिवार के सबसे बड़े व्यक्ति द्वारा इनकी पूजा करवाई जाती है। पूजन पंडित अथवा गुरू करवाते हैं। (जनेऊ एवं मुण्डन में 32 माँएं होती है व बड़ी माँएं कहलाती है।)

अमला

(दीवार पर विभिन्न शुभ रंगों से लगाते हैं)

जब लड़का घर में बहू लेकर आता है उस समय लड़का सबसे पहले बहू लेकर अमला की पूजा करता है। ये घर में सुख एवं समृद्धि का प्रतीक है। इसके पूजन के पश्चात ही बहू घर में प्रवेश करती है।

बैठना चौक

बैठना, चौक जब कोई शुभ कार्य हो तब लड़का या लड़की को चौक पर बैठाते हैं एवं सर्वप्रथम यही चौक लगाते हैं और यदि एक साथ दो लोग चौंक पर बैठें, तो दो सतिये लगाते हैं अन्यथा एक। ये गोबर एवं हल्दी से जमीन लीपकर आटे से बनाया जाता है। इसके ऊपर लकड़ी का पटरा रखकर बैठते हैं, तभी पूजन होता है।

फूल चौक/चाकमास

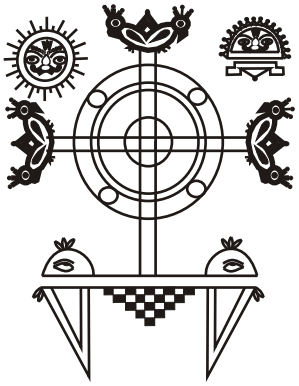

गर्भाधान संस्कार के समय

नववधू के प्रथम रजस्वला के स्नान के बाद इस चाक मास या फूल चौक का पूजन करवाया जाता है। इस पर कुछ मुद्रायें एपन से चिपकायी जाती हैं।

सीमान्तोन्नयन संस्कार चौक

चौक के समय बनने वाला थापा

थापा दीवार पर रखा जाता है। पूर्व या पश्चिम दिशा थापे पर रूपया चिपकाकर रोली चावल व मिठाई से पूजा की जाती है।

चौंक

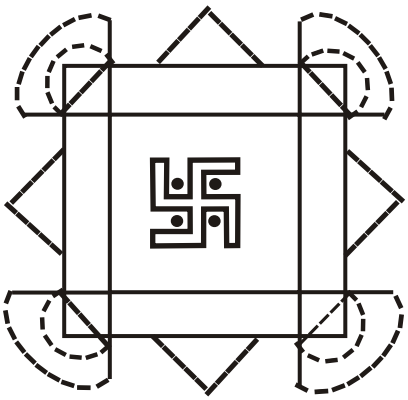

(बच्चे के गृह प्रवेश पर लगता है)

नया बच्चा लेकर जब माता घर आती है तब देहरी पर ऐपन से यह चौक लगाया जाता है। यह मंगलसूचक है।

मुण्डन की छठी

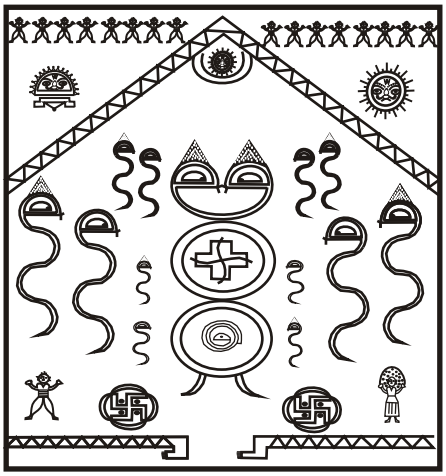

सनातन धर्मावलम्बियों में बालक के जन्म के बाद छठवें दिन उस बालक की छठी मनाने की प्रथा है। मात्र माथुर चतुर्वेदी समाज ही है, जिसमें बालक की छठवें दिन छठी मनाने के बाद भी, उसके मुण्डन के समय विशेष श्रद्धा एवं विश्वास के साथ यह षष्ठी जो मुण्डन संस्कार का एक अंग मानी जाती है, सम्पन्न की जाती है।

बूढ़े बाबू का थापा

ये कुल देवता माने जाते हैं। घर में बहू आने पर तथा लड़के का जन्म होने पर इनकी पूजा की जाती है। दही एवं पुये से पूजा होती है। ये चित्र दीवाल पर ऐपन से बनाकर पूजते हैं। दही एवं आटा सवा सेर या सवा पाँच सेर लिया जाता है।

करवा चौथ

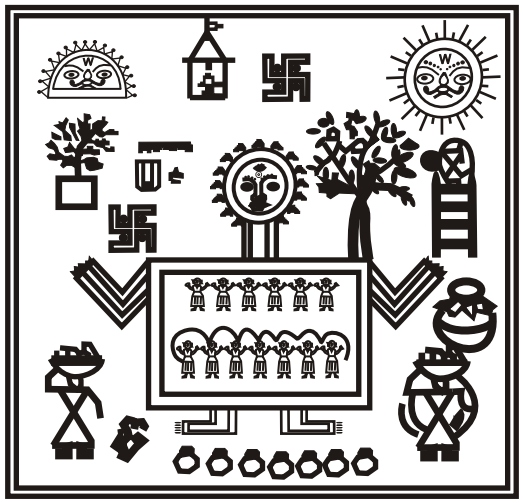

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चौथ को यह व्रत किया जाता है। सौभाग्यवती स्त्रियाँ स्वपति के रक्षार्थ यह व्रत करती हैं। रात्रि में प्रस्तुत चित्र की एवं सुहाग की वस्तुओं की पूजा की जाती है। दीवाल पर ऐपन से यह चित्र बनाया जाता है।

हर छठ

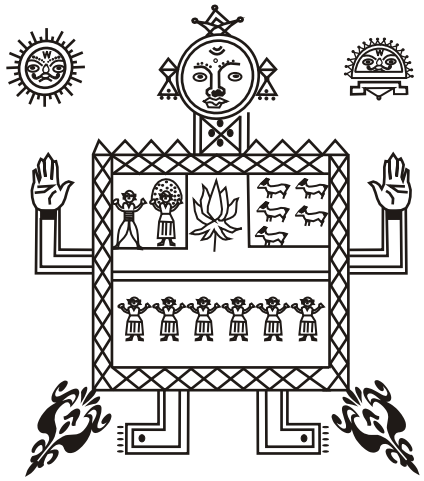

व्रत भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी को किया जाता है। प्रधानतः पुत्रवती स्त्रियाँ ही ये व्रत करती है। इस दिन हलमूसलधारी श्री बलराम जी का जन्म हुआ था। दीवार पर ऐपन से यह चित्र बनाया जाता है। माताएँ इसका पूजन कर अपने पुत्र की दीर्घायु की कामना करती हैं।

नाग पंचमी

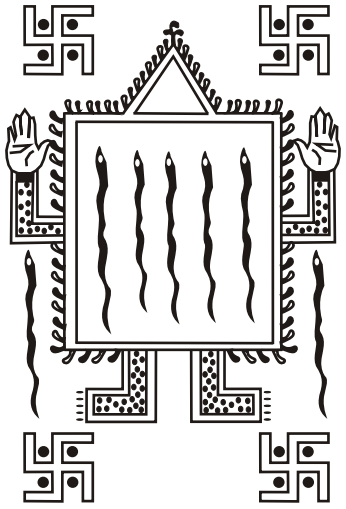

नागपंचमी के दिन कुछ लोग दरवाजे पर कोयले से 5-7 नागों के चित्र अंकित करते हैं एवं उसके चारों ओर सतिए भी बनाए जाते हैं। इन नागों की पूजा होती है।

काला नाग

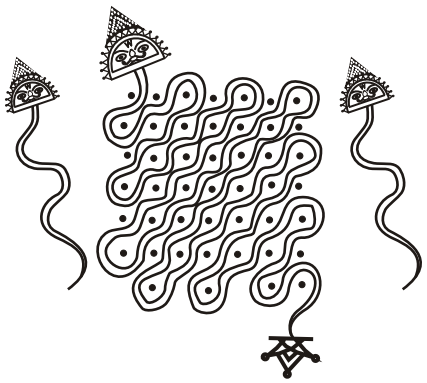

वैष्णवों में श्रावण मास की नाग पंचमी पर लहर वाला काला नाग रखा जाता है। दीवार को कलई से पोत लेते हैं। तत्पश्चात नरियली जलाकर उसे कच्चे दूध में घिसकर 'कजर' से भित्ति पर कुछ बूँदें अंकित करते हैं और उन्हें जोड़-जोड़ कर लहराते हुए नाग का रूप दिया जाता है। नाग को मुकुट व कुंडल से सुसज्जित कर देतें हैं। एक नाग को दो पत्नियों की कल्पना की गई है। अतः नाग के दोनों ओर एक एक नागिनें भी बनती हैं। नागराज से कुलरक्षा की कामना की जाती है।

आठ गाँठ का सतिया

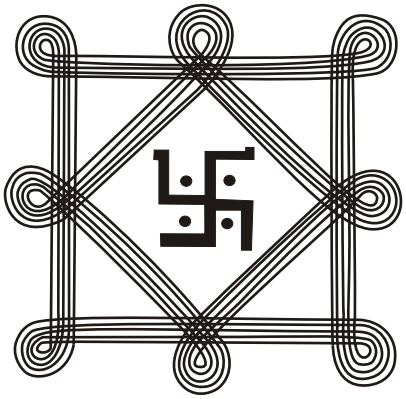

(कार्तिक मास में तुलसी के नीचे लगाते हैं)

यह आठ गाँठ का सतिया भी एक सूत्रता को दर्शाता है। खड़िया से तुलसी जी के आगे कार्तिक मास में इस चौक को लगाते हैं। इस पर दीपक जलाया जाता है।

अहोई अष्टमी

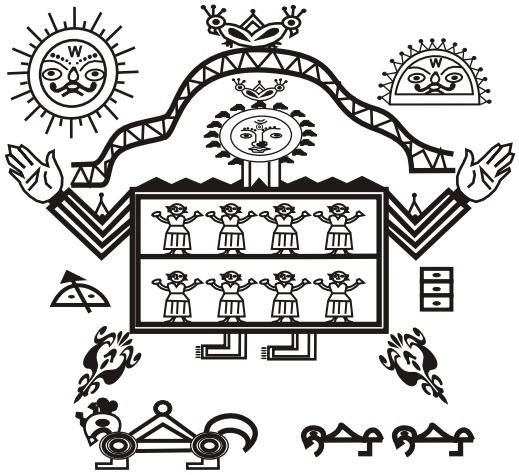

यह त्यौहार कार्तिक कृष्णपक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। अहोई देवी के चित्र के साथ सेही सेही और के बच्चे के चित्र भी बनाये जाते हैं। ये बच्चों की मंगल कामना हेतु पूजन है। सफेद पुती हुई दीवार पर गेरु से चित्र बनाया जाता है। केवल पुत्रवती माताएँ ही पूजन करती हैं।

दीपावली

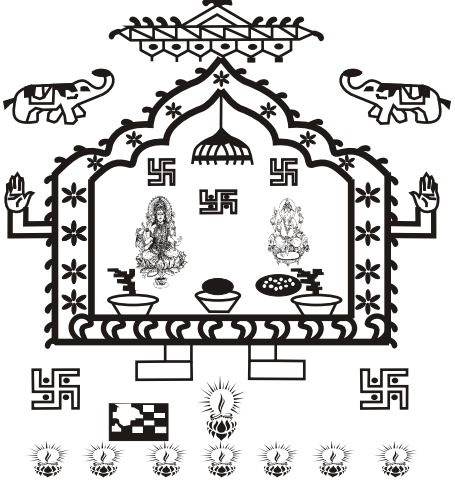

दीपावली-पूजन हेतु प्रस्तुत चित्र बनाया जाता है। दीवार को सफेद पोतकर गेरु से चित्र बनाते हैं और लक्ष्मी का आह्वाहन करते हैं। गणेश पूजन किया जाता है। यह चित्र घर में लक्ष्मी एवं धनधान्य की वृद्धि का पोषक है।

भैया दौज

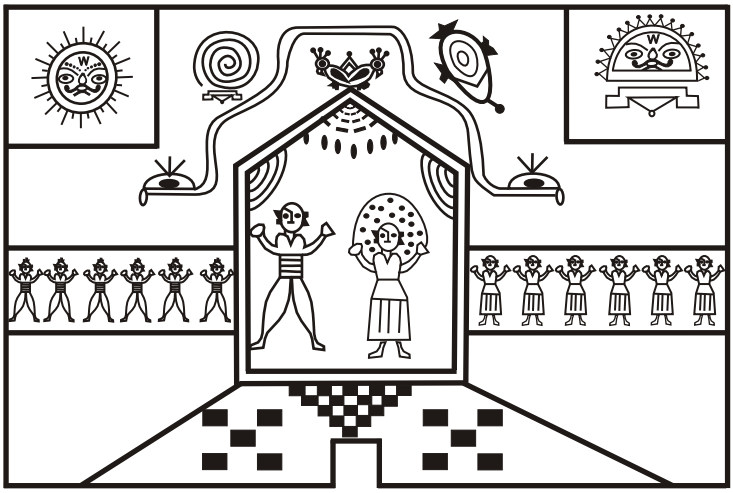

कार्तिक शुक्लपक्ष की द्वितीया को भैया दौज कहते हैं। दीवार पर करु से भाई को बहनें अपने पिता, भाई एवं भतीजों के नाम की तथा एक अधिक आरवलें (पुतलियां) रखते हैं। सब अपनी अलग-2 आखलें बनातें हैं। भाई की तथा अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना की जाती है।

बन्धुवर,

पालागन

कलकत्ता चतुर्वेदी बन्धुओं की अपडेटेड डाइरेक्टरी का प्रयास सफल हो गया है। मुझे हर्ष है कि मेरी युवा कार्यकारिणी हर कार्य को बहुत उत्साहपूर्वक पूरा करती है। इस तृतीय संस्करण का भार भाई चर्तुभुर्जदास, लिलुआ और भाई सूर्यकान्त मोहन, रिषड़ा को सौंपा गया था। आर्थिक और प्रकाशन व्यवस्था ही नहीं बल्कि सारी जानकारी विस्तृत रूप से एकत्रित करना भी इन्हीं के दायरे में था। इन्होंने अत्यन्त सराहनीय योगदान दिया है ये कार्य श्री रामेश्वर दयालजी, पूर्वाध्यक्ष के सहयोग के बिना हो ही नहीं सकता था। इनकी व्याकरण और हिन्दी भाषा का उच्चज्ञान के कारण इस डाइरेक्टरी का स्तर भी ऊँचा हुआ है। अंग्रेजी की रूपरेखा में प्रत्येक परिवार का एक-एक नाम का इन्डेक्स भी दिया गया है जो कि पहले नहीं था। आपलोगों को किसी भी बन्धुवर का नाम ढूंढने में कुछ और आसानी महसूस होगी। ऐसी हमारी आशा है।

हमेशा की तरह पारंपरिक तरीके इसको निशुल्क वितरित करने की उचित व्यवस्था की जायेगी।

धन्यवाद